आर.एन.आई.नं. RAJHIN/2004/14674

अजमेर, जोधपुर एवं जयपुर से प्रकाशित राज्य स्तरीय दैनिक

हुक्मनामा समाचार

www.hukmnamasamachar.com

वर्ष 22 : अंक 60 : मूल्य 2 रु. : पृष्ठ संख्या 8

अजमेर, सोमवार, 19 जनवरी, 2026

www.Lokvarta.net

संक्षिप्त खबरें

ईरानी प्रदर्शनकारी बोले- ट्रम्प ने हमें धोखा दिया

तेहरान/वॉशिंगटन। ईरान में प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उन्हें अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से उम्मीद थी कि वे उनके लिए मददगार साबित होंगे। लेकिन अब ट्रम्प के रुख में बदलाव आ गया है, इससे वह अपने को ठगा महसूस कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि ट्रम्प ने जो कहा और बाद में जो किया, उनके बीच बहुत बड़ा फर्क था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, देश छोड़ गए एक ईरानी ने कहा- ट्रम्प ने हमें धोखा दिया और बेवकूफ बनाया। जब ट्रम्प ने कहा कि एक ईरानी अधिकारी ने उन्हें और हत्याएं न करने का भरोसा दिलाया है, तो यह सुनकर हम हैरान रह गए।

महाराष्ट्र में महिला बोली- वोट डालने दूसरे जिले भेजा गया

मुंबई। महाराष्ट्र के बीड जिले की एक महिला ने दावा किया है कि उसे नगर निगम चुनाव में वोट डालने के लिए दूसरे जिले में ले जाया गया था। महिला के मुताबिक, वह अकेली नहीं है, जिसके साथ ऐसा हुआ। 15 जनवरी को चुनाव के दिन बीड जिले से करीब 4 बसों में भरकर महिलाएं पिंपरी-चिंचवड़ में वोट डालने गई थीं। महिला ने बताया कि वह बीड के गेवराई तालुका की रहने वाली है। उसे मतदान की जानकारी नहीं थी। उससे कहा गया था कि पुणे जिले के जेजुरी स्थित खंडोबा मंदिर में स्वयं सहायता समूह की एक बैठक होने वाली है। इसलिए महिलाएं बस में सवार होकर चली गईं।

महिला ने 17 जनवरी को बीड के पुलिस अधीक्षक से मामले की शिकायत की और बताया कि इन सब के पीछे एक अन्य महिला थी।

डीजीसीए ने इंडिगो पर 22.20 करोड़ का फाइन लगाया

नई दिल्ली। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने इंडिगो पर ?22.20 करोड़ का जुर्माना लगाया। यह एक्शन 3 से 5 दिसंबर, 2025 के बीच इंडिगो की 2507 फ्लाइट के कैंसिल होने और 1852 फ्लाइट में देरी होने पर लिया गया। इस कारण 3 लाख से ज्यादा यात्रियों को परेशानी हुई थी। जुर्माना एयरक्राफ्ट रूल्स, 1937 के रूल 133 के तहत लगाया गया है। इसके तहत कुल जुर्माना ?1.80 करोड़ है, लेकिन एफडीटीएल नियमों का 68 दिन तक पालन नहीं करने पर प्रतिदिन ?30 लाख का जुर्माना लगाया गया। जिसकी राशि 20.40 करोड़ है। इस तरह कुल जुर्माना 22.20 करोड़ हुआ।

न्यूजीलैंड ने भारत में पहली बार वनडे सीरीज जीती

इंदौर। न्यूजीलैंड ने भारत में पहली बार वनडे सीरीज जीत ली है। टीम ने रविवार को इंदौर में खेले गए तीसरे वनडे मैच में मेजबानों को 41 रन से हराया। इतना ही नहीं, भारतीय टीम होलकर स्टेडियम में पहला मैच हारी है। 338 रन का टारगेट चेज कर रही भारतीय टीम 46 ओवर में 296 रन पर ऑलआउट हो गई। विराट कोहली ने 108 बॉल पर 124 रन की शतकीय पारी खेली, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। न्यूजीलैंड की ओर से क्रिस्टियन क्लार्क और जैक फॉल्क्स 3-3 विकेट झटके। डेरिल मिचेल ने 137 और ग्लेन फिलिप्स ने 106 रनों की शतकीय पारियां खेलीं।

पेनल्टी कॉर्नर

पटेला री पोल

प्री प्राइमरी से लागू आरटीआई, कोर्ट का फरमान जारी स्कूल इससे बच रहे थे, क्योंकि उन्हें पड रहा था भारी सरकार की सही थी सोच, इसलिए कोर्ट ने माना सही शिक्षा का बनेगा नया माहौल, सुधर जाएगी देश की बही

..मुखिया जी

पुलिस ने रोकी शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद की पालकी

प्रशासन और संतों के बीच तीखी नोक-झोंक

प्रयागराज माघ मेले में मौनी अमावस्या पर भारी बवाल

प्रयागराज। मौनी अमावस्या के पावन पर्व पर जहाँ संगम तट करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से सराबोर था, वहीं प्रयागराज माघ मेले में पुलिस और ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के शिष्यों के बीच हुए भारी विवाद ने माहौल को तनावपूर्ण बना दिया।

विवाद इतना बढ़ा कि पुलिस ने शंकराचार्य की पालकी को जबरन रोक दिया, शिष्यों को हिरासत में लिया और धक्का-मुक्की के दौरान पालकी का छत्र भी टूट गया। इसके चलते शंकराचार्य बिना स्नान किए ही वापस लौट गए।

पैदल जाने की जिद और विवाद की शुरुआत विवाद उस समय शुरू हुआ जब शंकराचार्य अपनी पालकी और शिष्यों के साथ संगम की ओर बढ़ रहे थे। पुलिस ने अत्यधिक भीड़ का हवाला देते हुए शंकराचार्य को रथ/पालकी से उतरकर पैदल जाने को कहा। शंकराचार्य के शिष्यों ने इसे परंपरा और मान-मर्यादा के खिलाफ बताते हुए पालकी आगे बढ़ाने की कोशिश की। देखते ही देखते बहस धक्का-मुक्की में बदल गई।

साधु की पिटाई और समर्थकों को हिरासत में लिया चश्मदीदों के अनुसार, पुलिस ने कई शिष्यों को बलपूर्वक हिरासत में ले लिया। आरोप है कि पुलिस ने एक साधु को चौकी के भीतर ले जाकर पीटा। इस घटना से शंकराचार्य अत्यंत नाराज हो गए और अपने शिष्यों को छुड़वाने की मांग पर अड़ गए। प्रशासनिक अधिकारियों ने हाथ जोड़कर उन्हें समझाने का प्रयास किया, लेकिन करीब 2 घंटे तक गहमा-गहमी बनी रही। अंततः पुलिस पालकी को खींचते हुए संगम से करीब 1 किमी दूर ले गई, जिससे पालकी का क्षत्र भी क्षतिग्रस्त हो गया।

शंकराचार्य का तीखा हमला: 'सरकार के इशारे पर हो रही कार्रवाई' मीडिया से बात करते हुए शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने प्रशासन और सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा: 'बड़े-बड़े अधिकारी हमारे संतों को मार रहे थे। यह सब सरकार के इशारे पर हो रहा है क्योंकि वे हमसे नाराज हैं। महाकुंभ की भगदड़ के लिए मैंने उन्हें जिम्मेदार ठहराया था, अब वे अधिकारियों के जरिए बदला निकाल रहे हैं। उन्हें ऊपर से आदेश है कि हमें परेशान किया जाए।'

3 करोड़ से अधिक ने लगाई डुबकी, सुरक्षा के कड़े इंतजाम इस हंगामे के बीच मौनी अमावस्या का मुख्य स्नान जारी रहा। प्रशासन के अनुसार अब तक करीब 3 करोड़ लोग संगम में डुबकी लगा चुके हैं, और यह आंकड़ा 4 करोड़ तक पहुँचने की उम्मीद है। पूरे मेला क्षेत्र की निगरानी ड्रोन, ढ्ढ (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और सीसीटीवी कैमरों से की जा रही है। 800 हेक्टेयर में बसे इस मेले को 7 सेक्टरों में बांटकर सुरक्षा व्यवस्था संभाली जा रही है।

एमपी के जबलपुर में कार ने 13 मजदूरों को रौंदा

2 की मौत, 7 की हालत गंभीर

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर में रविवार को तेज रफ्तार कार ने 13 मजदूरों को कुचल दिया। हादसे में 2 मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 11 मजदूर घायल हो गए। घायलों में से 7 की हालत नाजुक है। सभी घायलों को मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया है। हादसा बरेला थाना क्षेत्र के एकता चौक पर दोपहर करीब 2 बजे हुआ। मृतकों की पहचान चैनवती बाई (40 वर्ष) और लच्छो बाई (40 वर्ष) के रूप में हुई है। मृतक और सभी घायल मंडला जिले के बीजाडांडी थाना क्षेत्र के बिहारिया गांव के रहने वाले हैं। डेढ़ माह से यहां मजदूरी कर रहे थे। जानकारी के अनुसार, मजदूर सड़क के डिवाइडर में लगी लोहे की जालियों की सफाई करने के बाद बैठकर खाना खा रहे थे। इसी दौरान बरेला से जबलपुर की ओर आ रही सफेद कार उन्हें रौंदते हुए भाग गई।स्थानीय लोगों ने तुरंत बरेला थाना पुलिस और डायल 108 को सूचना दी।

सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अनिल पटेल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल भिजवाया। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह और पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय भी घायलों का हाल जानने अस्पताल पहुंचे। घायल बोला- कार अचानक सामने आ गई घायल मजदूर महंत उइके ने बताया कि कार अचानक सामने आ गई और देखते ही देखते साथियों को कुचलते हुए भाग गई।

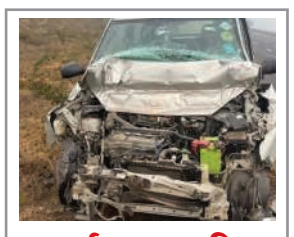

पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ की एस्कॉर्ट गाड़ी का एक्सीडेंट

नूंह। हरियाणा के नूंह में पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के काफिले की एक गाड़ी दुर्घटना का शिकार हो गई। कार का आगे का हिस्सा पूरी तरह से डैमेज हो गया। वहीं काफिले का पास से गुजर रही एक अन्य गाड़ी भी इसकी चपेट में आ गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दूसरा गाड़ी आगे से पूरी तरह से टूट गई। उसका इंजन का हिस्सा भी बाहर निकल गया। पुलिस का कहना है कि हादसे में किसी को कोई गंभीर चोट नहीं आई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दिल्ली-जयपुर रोड पर जा रहे एक ट्रक ने अचानक ब्रेक लगा दिए। जिससे पीछे चल रही एक गाड़ी पीछे से उसमें जा घुसी।

अमेरिका के साथ ट्रेड एग्रीमेंट रोकने की तैयारी में यूरोपीय संघ

ग्रीनलैंड- ट्रम्प के विरोध में हजारों लोग सड़कों पर

नुउक। ग्रीनलैंड में ट्रम्प के विरोध में शनिवार को हजारों लोग सड़कों पर उतर आए। लोगों ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के ग्रीनलैंड पर कब्जे को लेकर दिए बयानों पर नाराजगी जताई। प्रदर्शनकारियों ने 'ग्रीनलैंड बिक्री के लिए नहीं है' के नारे लगाए। बर्फीली सड़कों के बीच प्रदर्शनकारी ग्रीनलैंड की राजधानी नुउक के डाउनटाउन से अमेरिकी वाणिज्य दूतावास तक पहुंचे। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय झंडे लहराए और विरोधी पोस्टर थामे रहे।

पुलिस के मुताबिक यह अब तक का सबसे बड़ा प्रदर्शन माना जा रहा है, जिसमें नुउक की लगभग एक-चौथाई आबादी शामिल हुई। इसी दौरान अमेरिका ने यूरोप के 8 देशों पर 10% टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया। ये देश ग्रीनलैंड पर अमेरिका के कब्जे की धमकी का विरोध कर रहे थे। इससे ग्रीनलैंड के लोगों में ट्रम्प को लेकर गुस्सा और बढ़ गया। दूसरी ओर यूरोपीय संघ के सांसद अमेरिका के साथ हुए ट्रेड एग्रीमेंट की मंजूरी रोकने की तैयारी में हैं। यूरोपियन पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष मैनफ्रेड वेबर ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर कहा कि ट्रम्प की ग्रीनलैंड धमकियों के कारण अमेरिका से समझौते को मंजूरी देना संभव नहीं है। मैनफ्रेड वेबर ने सोशल मीडिया पर कहा कि ईपीपी व्यापार समझौते के पक्ष में था, लेकिन ट्रम्प की ग्रीनलैंड धमकियों के कारण अब मंजूरी संभव नहीं। उन्होंने अमेरिकी उत्पादों पर 0% टैरिफ को होल्ड करने की बात कही। यूरोपीय संसद के अन्य समूह भी समझौते को फ्रीज करने की मांग कर रहे हैं। अगर फैसले को लेकर सहमति बनती है, तो समझौता रुक सकता है।

ईयू-यूएस ट्रेड एग्रीमेंट को यूरोपीय कमीशन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने पिछले साल तय किया था। यह समझौता आंशिक रूप से लागू हो चुका है, लेकिन इसे अंतिम मंजूरी यूरोपीय संसद से मिलना अभी बाकी है। अगर ईपीपी के सांसद वामपंथी दलों के साथ इसके विरोध में खड़े होते हैं, तो उनके पास इतनी संख्या हो सकती है कि वे इस समझौते की मंजूरी को टाल दें या पूरी तरह रोक दें।

धर्म ही पूरी सृष्टि का संचालक, कोई भी चीज इसके बिना नहीं रह सकती: भागवत

मुंबई। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने ने रविवार को कहा कि धर्म ही पूरी सृष्टि का संचालक है। जब सृष्टि बनी, तब उसे चलाने के लिए जो नियम बने, वही धर्म है। पूरी दुनिया उन्हीं नियमों पर चलती है। इसलिए कोई भी पूरी तरह अधर्मी नहीं हो सकता। राज्य भले ही सेकुलर हो सकता है, लेकिन मनुष्य, प्रकृति या सृष्टि की कोई भी चीज धर्म के बिना नहीं रह सकती। संघ प्रमुख ने ये बात मुंबई में आयोजित 'विहार सेवक ऊर्जा मिलन' कार्यक्रम में कही। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि पानी का धर्म बहना है और आग का धर्म जलाना है। इसी तरह हर व्यक्ति का भी अपना-अपना धर्म और कर्तव्य होता है, जैसे पुत्र धर्म, राजधर्म और समाज धर्म। ये नियम और अनुशासन हमारे पूर्वजों ने गहरे आध्यात्मिक चिंतन और कठिन साधना से समझे। उन्होंने पैदल-पैदल देशभर में घूमकर, बिना भाषण दिए भी, आम लोगों के जीवन में धर्म को उतार दिया। इसलिए भारतवर्ष की रग-रग में धर्म बसता है। उन्होंने कहा कि उनके पास कोई ड्राइवर नहीं है, लेकिन उन्हें, पीएम नरेंद्र मोदी और हम जैसे अनेक लोगों को चलाने वाली एक ही शक्ति है। वही शक्ति आपको भी चला रही है।

घुसपैठ रोकने के लिए फेंसिंग जरूरी

बिहार में दोबारा जंगलराज रोका, अब बंगाल से विदा करेंगे- पीएम मोदी

सिंगूर। पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल में कहा कि यहां की जनता अब असली परिवर्तन चाहती है। हर कोई 15 साल के महाजंगल राज को बदलना चाहता है। अभी तो बीजेपी-एनडीए ने बिहार में जंगलराज को रोका है। अब टीएमसी के महाजंगलराज को विदा करने के लिए तैयार है। पीएम ने सिंगूर में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा- घुसपैठिए बचाने के लिए टीएमसी किसी भी हद तक जा सकती है। केंद्र सरकार ने कई बार चिठ्ठी लिखी कि बॉर्डर पर फेंसिंग के लिए जमीन चाहिए, लेकिन बंगाल सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि घुसपैठिए इनके पक्के वोटर हैं।

पीएम ने सिंगूर में 837 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और इनॉगरेशन किया। इससे पहले सुबह पीएम असम में थे। वहां मोदी ने कलियाबोर में ?6,957 करोड़ के काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर की आधारशिला रखी। पीएम ने दो अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों- डिब्रूगढ़-गोमती नगर (लखनऊ) और कामाख्या-रोहतक को वर्चुअली हरी झंडी दिखाई।

टीएमसी के राज में बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। यहां की शिक्षा व्यवस्था माफिया, भ्रष्टाचारियों के कब्जे में है। भाजपा को आपका एक वोट पक्का करेगा कि कॉलेज में रेप-हिंसा की घटनाओं पर लगाम लगे। एक वोट तय करेगा कि बंगाल में संदेशखाली जैसी घटना ना हो।

टीएमसी का छोटे से छोटा नेता खुद को बंगाल का माईबाप समझने लगा है। हुगली को इन्होंने शिक्षक भर्ती घोटाले के लिए बदनाम किया है। बीजेपी इन्हें सजा दिलाएगी। आपको एक बात याद रखनी है बंगाल में निवेश तभी आएगा।

जब यहां माफिया, दंगाइयों को हटाया जाएगा। बंगाल के नौजवानों, किसानों, माताओं-बहनों की हर संभव सेवा करूं, ये मेरा प्रयास रहता है। यहां की टीएमसी सरकार केंद्र की योजनाओं को आप तक पहुंचने नहीं देती। इनको मोदी से दिक्कत है, ये मुझे समझ आता है, लेकिन टीएमसी बंगाल के लोगों से अपनी दुश्मनी निकाल रही है।

यूपी में कोहरे में 70 वाहन टकराए, 12 की मौत

हिमाचल में तापमान माइनस 2.6 डिग्री

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के 50 जिलों में रविवार को घना कोहरा छाया। जीरो विजिबिलिटी के कारण अलग-अलग शहरों में 70 वाहन टकराए। कुल 22 हादसों में 12 की मौत हुई, 75 लोग घायल हैं। अकेले अमरोहा में 15 वाहन टकराए। शनिवार को भी 16 जिलों में सड़क हादसों में 7 लोगों की मौत हुई थी। हिमाचल प्रदेश में ताबो का तापमान राज्य में सबसे कम -2.6 डिग्री रहा। उत्तराखंड के चमोली और पिथौरागढ़ के ऊंचे इलाकों में शनिवार को बर्फबारी हुई। बिहार के 18 जिलों में कोहरे को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। यहां के 15 जिलों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे रहा। भागलपुर के साबौर में सबसे कम तापमान 5.4 डिग्री रहा। दिल्ली में रविवार सुबह घना कोहरा छाया रहा, न्यूनतम तापमान 5.3 डिग्री रहा, जो मौसम के औसत से 2.3 डिग्री कम है।

बिजोलिया में हिंदू एकता का दिखा महाकुंभ

संघ शताब्दी वर्ष पर ऐतिहासिक हिंदू सम्मेलन कलश यात्रा और धर्मसभा में उमड़ा जनसैलाब

बिजोलिया (हुक्मनामा समाचार)। संघ शताब्दी वर्ष के अवसर पर रविवार को नगर में आयोजित भव्य हिंदू सम्मेलन, कलश यात्रा और विशाल धर्मसभा ने इतिहास रच दिया। ढोल-नगाड़ों की गूंज, भगवा पताकाओं की लहर और जयघोषों के बीच पूरा नगर हिंदू एकता, आस्था और उत्साह के रंग में रंगा नजर आया। सम्मेलन में उमड़ा जनसैलाब हिंदू समाज की एकजुटता और सांस्कृतिक चेतना का जीवंत प्रतीक बन गया। कार्यक्रम की शुरुआत चारभुजा नाथ चौक से भव्य जुलूस के साथ हुई। जुलूस में सिर पर कलश धारण किए सैकड़ों महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा और चुनरी में शामिल हुईं, वहीं पुरुष श्वेत वस्त्रों व भगवा परिधान में हाथों में धर्मध्वज लिए चल रहे थे। हजारों की संख्या में युवा, बुजुर्ग,

महिलाएं और बच्चे ढोल-नगाड़ों की थाप पर नाचते-गाते हुए पंचायत चौक, बड़ा दरवाजा, सब्जी मंडी मार्ग, तेजाजी का चौक और बूंदी रोड होते हुए थानेश्वर महादेव मंदिर के समीप स्थित धर्मसभा स्थल तक पहुंचे।सम्मेलन को लेकर पूरे नगर को भगवा पताकाओं और धार्मिक ध्वजों से सजाया गया था। जगह-जगह नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर जुलूस का स्वागत किया, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय और उत्सवमय बन गया। रैली के दौरान श्री वीर बजरंग अखाड़ा द्वारा किए गए अखाड़ा प्रदर्शन ने लोगों में विशेष उत्साह भर दिया।धर्मसभा और जुलूस में मांडलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल ने भी सहभागिता की। भट्टों का बामणिया स्थित पंचमुखी दरबार से पधारे पंडित महेंद्र भट्ट ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए हिंदू समाज को संगठित रहने, संस्कृति की रक्षा करने और जागरूक बनने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन लंबे समय से सोए हिंदू समाज को जगाने का प्रयास है। जाति-पाति भुलाकर एकजुट होने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के लिए कहीं न कहीं हम स्वयं जिम्मेदार हैं और बच्चों को सनातन धर्म की शिक्षा देना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. डी. एस. मेहर ने की, जबकि उदयपुर से गुलाब दास महाराज भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पुलिस उपाधीक्षक बाबूलाल विश्नोई, विधायक गोपाल खंडेलवाल, निलेश सनाढ्य और रमेश गुर्जर द्वारा पंडित महेंद्र भट्ट का हनुमान जी की गदा भेंट कर स्वागत किया गया।धर्मसभा स्थल पर हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी रही। ढोल-नगाड़ों, जयघोषों और भगवा ध्वजों के बीच उमड़ा जनसैलाब कार्यक्रम की भव्यता का साक्षी बना।

पुलिस थाने के समीप आयोजित इस धर्मसभा को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे और जगह-जगह पुलिस बल मुस्तैद रहा। अध्यक्ष डॉ. मेहर ने बताया कि आयोजन समिति पिछले एक माह से कार्यक्रम की तैयारियों में जुटी थी और घर-घर जाकर लोगों को आमंत्रित किया गया। उन्होंने आयोजन की ऐतिहासिक सफलता पर सभी कार्यकर्ताओं, नागरिकों और श्रद्धालुओं को बधाई दी।

भीलवाड़ा विधायक खेल विकास योजना के अंतर्गतहूला-हूप प्रतियोगिता 8 फरवरी को खिलाड़ियों को निशुल्क प्रशिक्षण 20 से

भीलवाड़ा, (हुक्मनामा समाचार)। विधायक अशोक कोठारी की अनूठी पहल 'खेलेंगे तो खिलेंगे' के समर्थन में, भीलवाड़ा विधायक खेल विकास एवं प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत नन्हें खिलाड़ी शौर्य गुरनानी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में रविवार, 8 फरवरी को शास्त्री नगर स्थित गर्ल्स कॉलेज खेल मैदान में भव्य हूला-हूप (रिंग घुमाओ) प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। खेल विकास योजना की प्रशिक्षक एवं आयोजक सचिव मनीषा सोलंकी, कोमल शर्मा एवं पलक राजपूत ने बताया कि प्रतियोगिता में भीलवाड़ा शहर के सभी आयु वर्ग के छोटे से लेकर बड़े खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। प्रतियोगिता का समय दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक रहेगा। प्रतिभागियों का रजिस्ट्रेशन प्रतियोगिता स्थल पर दोपहर 1 बजे से 2 बजे तक किया जाएगा। दोपहर 2 से 3 बजे तक हूला हूप का अभ्यास कराया जाएगा, जबकि 3 बजे से 6 बजे तक प्रतियोगिता आयोजित होगी। इस दौरान सभी अभिभावकों एवं दर्शकों के लिए रस्साकसी एवं दौड़ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा। विधायक खेल विकास योजना के संयोजक शिक्षाविद् विवेक निमावत ने बताया कि प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर प्रतिभागियों को सब-जूनियर, जूनियर एवं सीनियर वर्ग में मेडल, ट्रॉफी एवं नकद पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। मुख्य कोच अजीत जैन ने बताया कि हूला हूप सीखने के इच्छुक बालक-बालिकाओं के लिए 20 जनवरी से 5 फरवरी तक गर्ल्स कॉलेज मैदान पर 15 दिवसीय निशुल्क हूला हूप प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है। इसमें शहर के कोई भी बालक-बालिका भाग ले सकते हैं।प्रतियोगिता की अधिक जानकारी के लिए मो. 99282-00577 पर संपर्क किया जा सकता है।

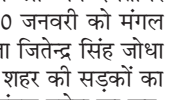

नागरिक मंच की बैठक आयोजित सर्वसम्मति से सौरभ जैन पुनः बने अध्यक्ष

पिड़ावा (हुक्मनामा समाचार)। रविवार को दोपहर 12 बजे अंबेडकर भवन सराय में नागरिक मंच के सदस्यों की बैठक संपन्न हुई। बैठक की शुरुआत में नवीन वर्ष की मंगल शुभकामनाओं के साथ नागरिक मंच द्वारा शहर में जनहित एवं नागरिक विकास के मुद्दों को लेकर आपसी विचार विमर्श हुआ। पिछले वर्षों की मंच की उपलब्धियां पर संयोजक बाबू सिंह जैन द्वारा प्रकाश डाला गया। वहीं नागरिक मंच में अधिक से अधिक सक्रिय एवं जागरूक सदस्यों को जोड़ने वाले सुझाव पर सभी सहमत हुए। बैठक में नागरिक मंच की प्रत्येक माह में एक बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया। वहीं नागरिक मंच की कार्यकारिणी के गठन नवीनीकरण के संदर्भ में भी प्रस्ताव सर्व समिति से लिया गया। जिसमें नागरिक मंच अध्यक्ष पुनः सौरभ जैन को ही नियुक्त किया गया। वहीं आगामी बैठक से पहले कार्यकारिणी विस्तार करने पर सभी की सहमति बनी। पिड़ावा नगर में जनहित, निष्पक्ष, सार्वजनिक समस्याओं व सुझाव के लिए प्रत्येक वार्ड से नागरिक मंच द्वारा दो-दो सदस्य को मनोनीत करने का निर्णय लिया गया। बैठक में शाहिद मोहम्मद, सौरभ जैन, बाबू सिंह कमाल, राजेंद्र जैन, राहुल, सचिन, अंकित सहित कई लोग उपस्थित रहे।

किशनगढ़ रेलवे स्टेशन को मिलेगा दूसरा यात्री प्रवेश द्वार बजट मिलते ही जारी होगी निविदा, प्लेटफॉर्म-2 पर बनेंगे अलग शौचालय

मदनगंज-किशनगढ़ (हुक्मनामा समाचार)। रेलवे बोर्ड, दिल्ली से बजट आबंटन होते ही किशनगढ़ रेलवे स्टेशन पर दूसरे प्लेटफॉर्म की ओर मदनगंज सिटी दिशा में दूसरा यात्री प्रवेश द्वार (एंट्री गेट) बनाया जाएगा। इससे यात्रियों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी।रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य एवं भाजपा नेता महेंद्र पाटनी ने बताया कि उनके निरंतर प्रयासों का सकारात्मक परिणाम अब सामने आने लगा है। नववर्ष 2026 में 15 जनवरी को आयोजित पहली बैठक में उनके द्वारा प्रस्तुत एजेंडे पर उत्तर पश्चिम रेलवे प्रशासन ने सक्षम अनुमोदन के साथ दूसरे प्रवेश द्वार के प्रस्तावित कार्य को प्रशासनिक टिप्पणी में शामिल किया है। पाटनी ने बताया कि इस संबंध में अतिरिक्त रेल मंडल प्रबंधक गौरव गौड़ एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक पूजा मित्तल ने आश्वस्त किया है कि रेलवे बोर्ड से बजट स्वीकृत होते ही कार्य की निविदा प्रक्रिया प्रारंभ कर दी जाएगी।इसके साथ ही पाटनी द्वारा एजेंडे में उठाए गए एक अन्य महत्वपूर्ण बिंदु पर भी सहमति बनी है। प्लेटफॉर्म नंबर दो पर महिला, पुरुष एवं दिव्यांगजनों के लिए अलग-अलग पक्के शौचालयों के निर्माण की मांग को भी रेल प्रशासन ने दूसरे प्रवेश द्वार के निर्माण के साथ ही पूरा करने की लिखित सहमति प्रदान की है।

एसीएस कुंजीलाल मीणा 19 को बारां प्रवास पर

बारां (हुक्मनामा समाचार)। क्षेत्रीय जनजाति विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव कुंजीलाल मीणा सोमवार को बारां जिले के प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे किशनगंज-शाहबाद क्षेत्र में विभिन्न कार्यों का जायजा लेंगे। यात्रा कार्यक्रम के अनुसार एसीएस मीणा किशनगंज में पीएम आवासीय कालोनी, जनजाति कन्या आवासीय, विद्यालय, डूडा पगारा में नवनिर्मित आंगनबाड़ी केंद्र, गरडा में निर्माणाधीन पीएम जनमन छात्रावास, लक्ष्मीपुरा में मल्टीपरपज सेंटरपीएम जनमन, मां बाड़ी व वनधन केंद्र, सीताबाड़ी में सौंदर्यीकरण कार्य, समरानिया में क्षमतावर्धन निर्माणाधीन सहरिया बालिका छात्रावास, भावतीपुरा-खटका में पीएम जनमन मॉडल आवासीय कालोनी, मां बाड़ी व मल्टीपरपज केंद्र, मुंडियर में बेंटा तक सड़क निर्माण कार्य, शाहबाद में पीएम जनमन व सहरिया विकास कार्यों पर विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक लेंगे।

सानिया में गहराया पेयजल संकट: 15 दिनों से ठप है सप्लाई महंगे टैंकरों के भरोसे ग्रामीण

डीडवाना (हुक्मनामा समाचार)। उपखंड क्षेत्र के नजदीकी ग्राम सानिया में पिछले दो सप्ताह से पेयजल किल्लत ने विकराल रूप ले लिया है। गांव में जलापूर्ति ठप होने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आलम यह है कि कड़कड़ाती ठंड के बीच ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं को महंगे दामों पर पानी के टैंकर मंगवाकर अपनी प्यास बुझानी पड़ रही है।ग्रामीणों ने बताया कि गांव में ट्यूबवेल के जरिए डिस्ट्रीब्यूशन लाइन से पानी की सप्लाई की जाती है, लेकिन पिछले 15 दिनों से ट्यूबवेल की मोटर जली हुई है। विभाग को सूचित करने के बावजूद अभी तक मोटर दुरुस्त नहीं की गई है, जिससे सप्लाई पूरी तरह बंद है।गांव में नहरी जल परियोजना की पाइपलाइन तो डाली गई है, लेकिन उसका लाभ भी सभी को नहीं मिल रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि लाइन के जरिए केवल आधे गांव में ही पानी पहुंच पा रहा है, जबकि आधा गांव अब भी प्यासा है। वितरण व्यवस्था में इस खामी के कारण संकट और गहरा गया है।पेयजल संकट के चलते ग्रामीण 500 से 800 रुपये खर्च कर निजी टैंकर मंगवाने को मजबूर हैं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह एक बड़ा बोझ बन चुका है। ग्रामीणों ने रोष जताते हुए कहा कि सर्दी के मौसम में पानी के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है और प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है। ग्रामीण बाबूलाल ने कहा पिछले 15 दिनों से मोटर खराब है। नहरी पानी भी सबको नहीं मिल रहा। हम महंगे टैंकर कब तक मंगवाते रहेंगे।प्रशासन को जल्द से जल्द मोटर ठीक करवानी चाहिए। सानिया के ग्रामीणों ने स्थानीय प्रशासन और जलदाय विभाग के उच्च अधिकारियों से मांग की है कि जली हुई मोटर को तुरंत बदला जाए और नहरी पानी का वितरण पूरे गांव में समान रूप से सुनिश्चित किया जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है ।

खो-खो राष्ट्रीय प्रतियोगिता के तीसरे दिन हुए रोचक मुकाबले, 61 टीमें खिताब की दौड़ में

केकड़ी (हुक्मनामा समाचार)। कस्बे के पटेल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में चल रही 69 वीं राष्ट्रीय खो-खो प्रतियोगिता तीसरे दिन भी पूरे शबाब पर रही। देशभर से आए खिलाड़ियों ने दर्शकों को अपनी रणनीति और कौशल से प्रभावित किया। रविवार को कई रोमांचक मैच खेले गए जिनमें राजस्थान, तमिलनाडु, दिल्ली एवं दादरा व नगर हवेली की टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। तीसरे दिन हुए बालक वर्ग के मुकाबलों में तमिलनाडु ने जम्मू-कश्मीर को एक पारी 6 अंक से शिकस्त दी, वही पंजाब ने उत्तराखंड को 10 अंक से, बिहार ने आंध्रप्रदेश को 2 अंक से, दिल्ली ने सीबीएसई को 5 अंक से, राजस्थान ने केरल को एक पारी 7 अंक से, असम ने दादरा एवं नगर हवेली को एक पारी 5 अंक से, चंडीगढ़ ने मध्यप्रदेश को 4 अंक से, हिमाचल प्रदेश ने पश्चिम बंगाल को 4 अंक से, कर्नाटक ने नवोदय विद्यालय समिति को एक पारी 4 अंक से, हरियाणा ने सीआईएससीई को 6 अंक से और उड़ीसा ने सीबीएससी डब्ल्यूएसओ को एक पारी 27 अंक के बड़े अंतर से हराया। इसके पश्चात उत्तरप्रदेश ने झारखण्ड को 3 अंक से पराजित किया। इसी प्रकार बालिका वर्ग में उड़ीसा और आंध्रप्रदेश का मैच काफी दिलचस्प रहा जिसमें उड़ीसा 7 अंक से विजेता रही। नवोदय विद्यालय समिति ने सीबीएसई को 5 अंक से पराजित किया। इसके पश्चात केरल ने सीआईएससीई को एक पारी 17 अंक के बड़े अंतर से हराया। झारखण्ड व मध्यप्रदेश के बीच हुए मैच में रोमांचक पल देखने को मिले जिसमें झारखण्ड ने मध्यप्रदेश को 1 अंक से पराजित किया। पश्चिम बंगाल ने छत्तीसगढ़ को 1 अंक से, दादरा एवं नगर हवेली ने सीबीएसई डब्ल्यूएसओ को एक पारी 9 अंक से, तेलंगाना ने पुडुचेरी को एक पारी 11 अंक से, गुजरात ने बिहार को एक पारी 16 अंक से, हरियाणा ने केन्द्रीय विद्यालय संगठन को एक पारी 2 अंक से, उत्तरप्रदेश ने जम्मु-कश्मीर को एक पारी 13 अंक से, विद्या भारती ने चंडीगढ़ को 8 अंक से, दिल्ली ने कर्नाटक को 2 अंक से, पंजाब ने असम को एक पारी 6 अंक से, राजस्थान ने उत्तराखंड को एक पारी 7 अंक से और हिमाचल प्रदेश ने तमिलनाडु को 9 अंक से पराजित किया। आयोजन समिति के सदस्य एवं अन्तर्राष्ट्रीय निर्णायक सत्यनारायण चौधरी ने कहा कि आगामी दिनों में और भी रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। रविवार को दर्शकों की भारी भीड़ और उत्साह ने प्रतियोगिता के तीसरे दिन को यादगार बना दिया। राजस्थान बालिका टीम की योगिता ने उत्तराखंड के बीच हुए मुकाबले में करीब 4 मिनट तक नॉट ऑउट रहते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। आयोजन समिति के सचिव एवं जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय प्रारम्भिक शिक्षा अजमेर गोविन्दनारायण शर्मा ने व्यवस्थाओं की निगरानी एवं कार्यक्रम के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए आयोजन स्थल का दौरा किया एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उनके साथ आयोजन समिति के संयोजक एवं राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय गुजरवाड़ा के प्रधानाध्यापक रामबाबू सोनी, नियंत्रण समिति के संयोजक राधेश्याम कुमावत, आयोजन समिति के सदस्य एवं राष्ट्रीय खिलाड़ी कमलेश अहीर, शारीरिक शिक्षिका लाली जाट एवं गुजरवाड़ा विद्यालय प्रबन्धन समिति के सदस्यों ने भी गतिविधियों का जायजा लिया।

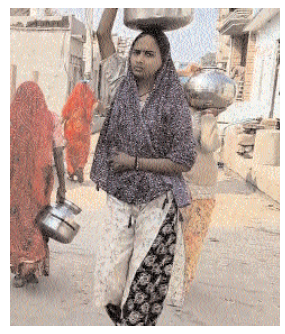

अंतर्राष्ट्रीय मैथ्स ओलंपियाड में ध्रुवी राठी ने रचा इतिहास हासिल की 9वी रैंक

केकड़ी (हुक्मनामा समाचार)। ध्रुवी राठी ने गणित ओलंपियाड में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 9 वीं रैंक हासिल कर नया कीर्तिमान बनाया। ओलंपियाड प्रभारी ने बताया कि साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन द्वारा आयोजित गणित विषय की ओलंपियाड परीक्षा के प्रथम चरण में ध्रुवी राठी पुत्री अमित कुमार राठी ने 95 प्रतिशत अंक और 98.26 परसेंटाइल अंक अर्जित करते हुए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 9 वा स्थान अर्जित कर केकड़ी शहर का नाम रोशन किया। ध्रुवी राठी को फाउंडेशन की ओर से 500 रूपये का गिफ्ट वाउचर,गोल्ड मेडल ऑफ डिस्टिंक्शन एवं सर्टिफिकेट ऑफ डिस्टिंक्शन, सर्टिफिकेट ऑफ जोनल एक्सीलेंस से सम्मानित किया जाएगा।ध्रुवी राठी वर्तमान मे मुंबई हाई वर्ल्ड स्कूल मुंबई मे पढ़ाई कर रही है इस उपलब्धि पर चाँद करण राठी, सुशीला देवी राठी,पिता सी ए अमित कुमार ,माता प्रिया , हर्ष , नेहा और राठी परिवार के सभी सदस्यों ने ध्रुवी को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

डीडवाना की बेटी बुलबुल सोलंकी कां बीएस एफ चयन सींघी बास में जश्न का माहौल

डीडवाना (हुक्मनामा समाचार)। सपनों को हकीकत में बदलने का जुनून अगर बुलंद हो, तो रास्ते की हर बाधा बौनी साबित होती है। ऐसा ही कुछ कर दिखाया है डीडवाना के सींघी बास की बेटी बुलबुल सोलंकी ने। साधारण परिवार में जन्मी बुलबुल ने स्स्ट लष्ट भर्ती परीक्षा के माध्यम से में फाइनल चयन हासिल कर न केवल अपने परिवार का, बल्कि पूरे जिले का मान बढ़ाया है।जैसे ही बुलबुल के चयन की खबर सींघी बास पहुंची, पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। परिजनों और मोहल्लेवासियों ने आतिशबाजी कर और मिठाइयाँ बाँटकर खुशियाँ मनाईं। बुलबुल के घर पर बधाई देने वालों का ताँता लगा हुआ है। भगवान सोलंकी की सुपुत्री बुलबुल की इस उपलब्धि को नारी सशक्तिकरण के एक बड़े उदाहरण के रूप में देखा जा रहा है।बुलबुल की यह सफलता आसान नहीं थी। उन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद अपना पूरा ध्यान लक्ष्य पर केंद्रित रखा।सफलता के पीछे के संघर्ष को साझा करते हुए बताया गया कि लिखित परीक्षा के लिए घंटों की पढ़ाई सुबह-शाम मैदान में शारीरिक दक्षता के लिए पसीना बहाना कठिन समय में भी धैर्य और अनुशासन को बनाए रखना रहा।क्षेत्रवासियों और सामाजिक संगठनों ने बुलबुल को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी हैं। लोगों का कहना है कि बुलबुल का चयन डीडवाना की अन्य बेटियों के लिए एक प्रेरणा बनेगा, जो सेना और सुरक्षा बलों में जाकर देश सेवा करने का सपना देखती हैं। सभी ने विश्वास जताया कि बुलबुल पूरी निष्ठा और साहस के साथ देश की सीमाओं की रक्षा करेंगी।

छोटीखाटू में भाजपा नेता जोधा ने मर्यादा महोत्सव की तैयारी का निरीक्षण किया

छोटीखाटू (हुक्मनामा समाचार)। शहर में श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ धर्म के 11 वें गुरू आचार्य महाश्रमण जी 20 जनवरी को मंगल प्रवेश कर रहे उनकी तैयारियों को लेकर भाजपा नेता जितेन्द्र सिंह जोधा डीडवाना ने नगरपालिका ईओ हिम्मत सिंह के साथ शहर की सड़कों का निरीक्षण किया। भाजपा नेता जितेन्द्र सिंह जोधा ने मंगल प्रवेश का रूट, सड़कों पर रोड़ लाईट, साफ सफाई की जानकारी और निरीक्षण किया। गुरू देव द्वारा प्रवचन पंडाल, मंच, भोजन शाला का भी निरीक्षण किया सभी व्यवस्था अच्छी पाई गई। इस पावन अवसर पर भाजपा नेता जोधा ने साध्वियों का आशीर्वाद लिया और मंगलपाठ सुना। इस अवसर ईओ हिम्मत सिंह, समाज सेवी अनिल बेताला दिल्ली, भाजपा मण्डल अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह, भाजपा मण्डल संयोजक पवन जोशी, बजरंग दल संयोजक शिरू टाक, सुरेन्द्र सिंह थेपड़ी, प्रवीण बेताला, किशन सिंह खंगारोत, अनिल बेताला, पृथ्वीराज नवल, शुभकरण जैन, हरिप्रसाद लोहिया, कृष्णा जोशी, युवक परिषद मंत्री दीपक बेताला, मनमोहन प्रजापत, गौरी शंकर, मनीष सांखला, राकेश सिंह, रविन्द्र कोनियाड़ा सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

यादें माता जयंती शिविर में 111 यूनिट रक्तदान किया

मदनगंज - किशनगढ़ (हुक्मनामा समाचार)। यादें माता जयंती के अवसर पर श्रीयादें शक्ति सेना प्रजापति समाज द्वारा यज्ञनारायण जिला चिकित्सालय में रक्तदान शिविर आयोजित किया। रक्तदान शिविर प्रातः 9 बजे से शुरू हुआ जिसका दोपहर 3 बजे समापन किया गया। जिसमें समाज के युवाओं ने हिस्सा लिया। वहीं महिला शक्ति ने भी आगे आकर रक्तदान देने में सहयोग किया। आयोजन के मुख्य अतिथि रामकिशन प्रजापति, रमेश प्रजापति, दिनेश प्रजापति, शुभम प्रजापति, सूरज प्रजापति, अमन प्रजापति, यश प्रजापति मिथलेश प्रजापति रहे। शिविर में 111 यूनिटी रक्तदान किया गया। श्रीयादें शक्ति सेना प्रजापति समाज द्वारा ब्लड बैंक के कर्मचारियों का प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया।

दो ट्रेलर आपस में टकराए भीषण हादसा टला

मांगलियावास (हुक्मनामा समाचार)। थाना क्षेत्र के हाईवे नंबर 8 पर वैष्णो देवी पेट्रोल पंप के पीछे दो ट्रेलर आपस में टकरा जाने से भीषण हादसा हुआ। रविवार को हुई इस घटना में गनीमत रही कि किसी प्रकार की कोई कैजुअल्टी नहीं हुई। दुर्घटना की सूचना पर मांगलियावास पुलिस एएस आई हुकम सिंह,एएस आई गोपाराम कांस्टेबल राजेंद्र शर्मा सहित जाप्ता तुरंत पहुंच गया। 108 एंबुलेंस और हाईवे पेट्रोलिंग के शक्ति सिंह प्रभाकर सहित टीम पहुंच गई। जानकारी के अनुसार ट्रेलर नंबर युपी 16 थे 8707 बारदाना और तेल भर कर अहमदाबाद से दिल्ली की ओर जा रहा था। चालक सतीश पुत्र अजब सिंह निवासी ठकराई मैनपुरी, उत्तर प्रदेश निवासी चल रहा था।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रदीप लोढा द्वारा एफ बी 3, करतारपुरा इंडस्ट्रियल एरिया रोड नंबर 4, जयपुर से मुद्रित एवं पीली कोठी, जयपुर गोल्डन, जयपुर रोड, अजमेर से प्रकाशित। फोन 2623396, संपादक - प्रदीप लोढा, प्रबंध संपादक - वैभव लोढ़ा, जयपुर कार्यालय- जी 1, एफ ब्लॉक, गणपति एनक्लेव, अजमेर रोड जयपुर। जोधपुर कार्यालय -902, तीसरी ई रोड, सरदारपुरा, जोधपुर। फोन 2433621, ई मेल hukmnama.ajmer@gmail.com

भारतीय ज्ञान परम्परा , अतीत, वर्तमान एवं भविष्य विषय पर त्रिदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ भव्य शुभारम्भ

वसुधैव कुटुम्बकम् भारत का वैश्विक संदेश : वासुदेव देवनानी

अजमेर,(हुक्मनामा समाचार)। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ तथा भारतीय ज्ञान परम्परा केन्द्र, सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को महाविद्यालय के सभागार में भारतीय ज्ञान परम्परा, अतीत, वर्तमान एवं भविष्य विषय पर त्रिदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का भव्य शुभारम्भ किया गया।

संगोष्ठी का उद्देश्य भारतीय ज्ञान परम्परा की गहराई, उसकी समकालीन उपयोगिता तथा भावी पीढ़ी के निर्माण में उसकी भूमिका पर व्यापक विमर्श करना है। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा करुणा, सहिष्णुता एवं संतुलन का भाव स्थापित करती है। भारत की वास्तविक शक्ति आर्थिक अथवा भौतिक उन्नति में नहीं, बल्कि उसकी दृष्टि, सोच और जीवन पद्धति में निहित है। भारत ने वसुधैव कुटुम्बकम् का मंत्र देकर सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार मानने की भावना प्रदान की है। जो शांति, संवाद और समाधान का मार्ग प्रशस्त करती है। उन्होंने कहा कि यह संगोष्ठी विचारों के आदान-प्रदान के साथ नई दृष्टियों के निर्माण का सशक्त मंच बनेगी तथा परम्परा, विचार और आधुनिकता के बीच सेतु का कार्य करेगी। देवनानी ने कहा कि वर्तमान युग विज्ञान एवं तकनीक का युग है। इसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैव प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष विज्ञान ने मानव सभ्यता को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है, परंतु तकनीकी प्रगति के साथ नैतिक मूल्यों की स्थापना भी उतनी ही आवश्यक है। तकनीक जहाँ गति प्रदान करती है, वहीं संस्कृति संतुलन देती है और मूल्य जीवन को दिशा प्रदान करते हैं। भारत की परम्परा में विज्ञान एवं अध्यात्म, विकास एवं प्रकृति का संतुलित समन्वय सदैव रहा है। इसकी आज सम्पूर्ण विश्व को आवश्यकता है। अतीत की जड़ें वर्तमान की शाखाओं को सशक्त बनाकर भविष्य के फल को सुरक्षित करती हैं तथा संयम और संतोष की भावना भारतीय दर्शन का मूल तत्व रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा अत्यंत

गहन एवं समृद्ध है। इसमें वैदिक मंत्रों, उपनिषदों से लेकर आयुर्वेद तक ऐसा ज्ञान समाहित है, जो भविष्य को आकार देने की क्षमता रखता है। विज्ञान की नींव भारत के प्राचीन ग्रन्थों में मिलती है। आर्यभट का शून्य का सिद्धांत, भास्कराचार्य का खगोल विज्ञान और सुश्रुत की शल्य चिकित्सा ने विश्व को नई दिशा दी। तक्षशिला जैसे प्राचीन ज्ञान केन्द्रों में विश्वभर से विद्यार्थी अध्ययन के लिए आते थे। कला और साहित्य के क्षेत्र में भी भारत अग्रणी रहा है। इसका प्रमाण भरतमुनि का नाट्यशास्त्र है। नई शिक्षा नीति के संदर्भ में उन्होंने कहा कि भारत को पुन: शिक्षा का वैश्विक केन्द्र बनाने की दिशा में यह नीति महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। भारतीय संस्कृति और ज्ञान को आधुनिक विज्ञान से जोड़कर पढ़ाने से एक सशक्त, संस्कारित और नवाचारी पीढ़ी का निर्माण होगा। विज्ञान, ज्योतिष, वैदिक गणित और योग की वैश्विक स्वीकृति भारतीय दर्शन की प्रासंगिकता को सिद्ध करती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के हित में शिक्षा, शिक्षा के हित में शिक्षक और शिक्षक के हित में समाज की भावना को सुदृढ़ करना आवश्यक है। इस प्रकार के कार्यक्रम भारतीयता को सशक्त बनाते हैं। मुख्य वक्ता महात्मा गांधी शांति एवं स्थायी विकास समिति के अध्यक्ष प्रो. भगवती प्रसाद शर्मा ने कहा कि समस्त आधुनिक विषयों का ज्ञान भारतीय शास्त्रों और परम्पराओं में विद्यमान है। वर्तमान वैज्ञानिक सिद्धांतों के संदर्भ प्राचीन भारतीय ग्रन्थों में उपलब्ध हैं तथा भविष्य में होने वाली अनेक खोजों के संकेत भी भारतीय शास्त्रों में मिलते हैं। उन्होंने कहा कि संस्कृत वाङ्मय के शब्दों की उत्पत्ति वैज्ञानिकता की कसौटी पर खरी उतरती है। ऋग्वेद में हृदय में विद्युत ऊर्जा के उल्लेख का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि आधुनिक चिकित्सा विज्ञान आज उसी सिद्धांत पर पेसमेकर का उपयोग कर रहा है। प्राचीन भारत की धातु विज्ञान की उत्कृष्टता का उदाहरण जिंक के निर्यात से मिलने वाली समृद्धि है। प्रो. शर्मा ने कहा कि भारतीय ग्रन्थों में ब्रह्माण्ड विज्ञान, पृथ्वी और सूर्य की दूरी, प्रकाश की गति, पृथ्वी की गोलाई एवं घूर्णन गति जैसे वैज्ञानिक तथ्यों का उल्लेख मिलता है।

रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्यों में प्राकृतिक नियमों की व्याख्या प्रतीकात्मक रूप से की गई है। उन्होंने कहा कि भारत अतीत में विश्व का सर्वाधिक समृद्ध देश रहा है और वैश्विक उत्पादन में उसकी महत्वपूर्ण भागीदारी थी। उन्होंने यह भी कहा कि 18वीं शताब्दी में भारतीय ग्रन्थों को विकृत करने के प्रयास हुए। इसके लिए आज आवश्यकता है कि शास्त्रों का संगोपांग, प्रामाणिक एवं तथ्यात्मक अध्ययन किया जाए और उन्हें किसी भी प्रकार के विकृतिकरण से सुरक्षित रखा जाए। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के अध्यक्ष लाल गुप्ता ने कहा कि परम्परा केवल अतीत की वस्तु नहीं है, बल्कि वर्तमान संकटों के समाधान का आधार बनती है और भविष्य की नींव रखती है।

भारतीय ज्ञान परम्परा सदियों से पारिवारिक जीवन की दिनचर्या का हिस्सा रही है, किंतु औपचारिक शिक्षा में उसे समुचित स्थान नहीं मिल पाया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति शिक्षा के गुरुत्व केन्द्र को भारत में स्थापित करने का प्रयास कर रही है। समाज में विद्यमान ज्ञान परम्परा को शिक्षा का अंग बनाकर स्थायी विकास के ठोस समाधान प्रस्तुत किए जा सकते हैं। महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल ने कहा कि साहित्य और शिक्षा में भारतीयता को समुचित स्थान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वाधीनता का इतिहास सांस्कृतिक स्वाधीनता का इतिहास भी है और भारत स्थायी विकास के साथ एक स्वस्थ, उद्यमी, शांत एवं सुरक्षित राष्ट्र के रूप में उभरेगा। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न शोध पुस्तिकाओं का विमोचन किया गया। इसमें शोध नवनीत शोध पत्रिका, अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी विशेषांक के पंचम शोध पत्र एवं योजना मंच 2.0 पत्रिका 2025-26 शोध मंथन का विमोचन किया गया। इनकी सॉफ्ट कॉपी भी उपलब्ध करा दी गई है। सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. मनोज कुमार बहरवाल ने कहा कि वर्तमान समय संक्रमण का काल है और भारतीय राष्ट्रीय विचारों पर प्रश्न उठाने वालों को यह संगोष्ठी तथ्यात्मक एवं बौद्धिक उत्तर प्रदान करेगी। भारत की वृहद ज्ञान परम्परा को आगे बढ़ाने में यह संगोष्ठी उपयोगी सिद्ध होगी। कार्यक्रम के अंत में सहायक निदेशक अनिल कुमार दाधीच ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। संगोष्ठी में हनुमान सिंह राठौड़ सहित अनेक शिक्षाविद्, शोधार्थी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सामाजिक सरोकार के तहत बाल विवाह रोकने का संकल्प लिया

अजमेर,(हुक्मनामा समाचार)। टेंट डीलर्स समिति का शपथ ग्रहण समारोह रविवार को फायसागर रोड स्थित अजमेर बाग में धूमधाम से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में संभाग, जिला एवं शहर स्तर की नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई। समारोह में टेंट व्यवसाय से जुड़े व्यापारियों, पदाधिकारियों और गणमान्य अतिथियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। संभाग अध्यक्ष मोहम्मद अजीम ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि यह शपथ ग्रहण नई कार्यकारिणी के लिए नई शुरुआत है। उन्होंने सदस्यों से अपील की कि वे संगठन के साथ जुड़कर व्यवसायिक चुनौतियों का सामना करें और सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाएं। समारोह की खास बात यह रही कि इसमें सामाजिक सरोकार के तहत बाल विवाह रोकने का संकल्प लिया गया। सभी पदाधिकारियों और उपस्थित सदस्यों ने सामूहिक रूप से बाल विवाह को समाप्त करने, बालिकाओं की शिक्षा और

सशक्तिकरण को बढ़ावा देने का प्रण लिया। यह कदम समाज में जागरूकता फैलाने और सामाजिक बुराइयों के खिलाफ संगठन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। टेंट व्यवसायी सामाजिक आयोजनों से जुड़े होने के कारण ऐसे मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा प्रदेश चेयरमैन डॉ. रवि जिंदल रहे। डॉ. जिंदल ने टेंट डीलर्स समिति के सदस्यों को संबोधित करते हुए संगठन की एकता, सामूहिक प्रयासों और व्यवसायिक हितों की रक्षा पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि टेंट व्यवसाय राजस्थान सहित पूरे देश में शादियों, सामाजिक आयोजनों और धार्मिक कार्यक्रमों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। संगठन के माध्यम से सदस्यों की समस्याओं का समाधान, नई योजनाओं का क्रियान्वयन और सामाजिक जिम्मेदारियों को निभाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष रासबिहारी शर्मा ने शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित किया। उन्होंने प्रदेश स्तर पर समिति की गतिविधियों को मजबूत बनाने और सदस्यों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की बात कही। विशिष्ट अतिथियों में प्रदेश संरक्षक पर्वत सिंह भाटी, रजनीश शर्मा, प्रदेश महासचिव मुकेश छिपा एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष शामिल हुए। इन सभी ने टेंट व्यापारियों के कल्याण और संगठन को नई दिशा देने के लिए प्रतिबद्धता जताई।

वार्डों के प्रारूप का हुआ अंतिम प्रकाशन

अजमेर। जिले में जिला परिषद एवं पंचायत समिति के वार्डों का आपत्तियों के निस्तारण के पश्चात प्रकाशन किया गया है। जिला कलक्टर श्री लोक बन्धु ने बताया कि जिले में जिला परिषद तथा पंचायत समिति के वार्डों (एकल सदस्य निर्वाचन क्षेत्रों) के निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्गठन, पुनर्सीमांकन एवं पुनर्निधारण का प्रारूप प्रकाशन दिनांक 30 दिसम्बर, 2025 से किया जाकर दिनांक 06 जनवरी, 2026 तक जन साधारण से आपत्तियों आमंत्रित की गई थी। प्राप्त आपत्तियों के निस्तारण के बाद 17 जनवरी को जिले की जिला परिषद अजमेर तथा समस्त पंचायत समितियों अजमेर ग्रामीण, बडल्या, पीसांगन, श्रीनगर, भिनाय, सरवाड़, केकड़ी, सावर, अंराई एवं सिलोरा के वार्डों (एकल सदस्य निर्वाचन क्षेत्रों) के निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्गठन, पुनर्सीमांकन एवं पुनर्निधारण कर प्रारूप का अंतिम प्रकाशन किया गया है।

राजस्थान के विद्यार्थियों ने जाना ग्रीन ग्रोथ का महत्व, प्रतियोगिता का हुआ समापन

विद्यार्थियों में पर्यावरणीय चेतना व नवाचार की भावना हुई सशक्त

विजेताओं को किया गया पुरस्कृत

अजमेर,(हुक्मनामा समाचार)। राज्य सरकार की बजट घोषणा 2025-26 की क्रियान्विति के तहत राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय राज्य स्तरीय सतत विकास एवं ग्रीन ग्रोथ स्किल प्रतियोगिता 2025-26 का समापन रविवार को गरिमामय समारोह के साथ सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के सचिव गजेन्द्र सिंह राठौड़ रहे। अतिथियों द्वारा विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। बोर्ड सचिव राठौड़ ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में सतत विकास लक्ष्यों, पर्यावरण संरक्षण, नवाचार तथा कौशल आधारित सोच को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा

कि भावी पीढ़ी को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनाना और उन्हें व्यावहारिक ज्ञान से जोड़ना समय की आवश्यकता है। इससे विकसित भारत के संकल्प को साकार किया जा सकेगा। प्रतियोगिताओं के परिणामों में निबंध प्रतियोगिता में बारां की भूमिका नागर ने प्रथम, ब्यावर की दिया शर्मा ने द्वितीय तथा सिरोही के दशरथ कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। चित्रकला प्रतियोगिता में प्रतापगढ़ की हिमांशी मकवाना प्रथम, दौसा की संजना महावर द्वितीय एवं चूरु की ललिता राठौड़ तृतीय स्थान पर रहीं। आशु भाषण प्रतियोगिता में झुंझुनूं की ईशा शर्मा प्रथम, फलौदी की कृष्णा व्यास द्वितीय तथा कोटा की सानवी कसेरा तृतीय स्थान पर रहीं। वहीं क्विज प्रतियोगिता में भीलवाड़ा के परमेश्वर प्रजापत ने प्रथम, बारा के अजय बैरवा ने द्वितीय तथा बांसवाड़ा के कल्प जैन ने तृतीय स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को 51 हजार रुपए, द्वितीय स्थान पर 31 हजार रुपए तथा तृतीय स्थान पर 21 हजार रुपए की पुरस्कार राशि उनके खातों में स्थानांतरित की गई। इसके अतिरिक्त सतत विकास लक्ष्यों पर आधारित प्रदर्शनी में राजकीय सावित्री बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सावित्री राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय की प्रदर्शनी सतत विकास लक्ष्य 3 गुड हेल्थ एवं वेल बीइंग से संबंधित थी। इसकी प्रभारी वरिष्ठ अध्यापक सुअनुपमा दोसाया एवं सुषमा अग्रवाल थी। प्रतियोगिता के कार्यक्रमों के सफल संचालन के लिए माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के सहायक निदेशक अरुण जोशी, सहायक लेखा अधिकारी अर्जुन लाल एवं अजय बंसल को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम के अंत में राजकीय सावित्री बालिका विद्यालय की प्राचार्य कविता अजवानी ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों, शिक्षकों एवं सहयोगी विभागों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ पर्यावरणीय जिम्मेदारियों को समझने की दिशा में एक सशक्त मंच सिद्ध हुई है।

जवाहर फाउंडेशन ने किया राज्यपाल का स्वागत

अजमेर,(हुक्मनामा समाचार)। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे के पुष्कर आगमन पर जवाहर फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। जवाहर फाउंडेशन के प्रभारी शिव कुमार बंसल ने बताया कि महामहिम राज्यपाल को गुलदस्ता भेंट कर जवाहर फाउंडेशन की गतिविधियों के बारे में अवगत कराया । महामहिम राज्यपाल को बताया कि सामाजिक सरोकार के क्षेत्र में अग्रणीय संस्था जवाहर फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष समाजसेवी एवं उद्योगपति श्री रिजु झुनझुनवाला के निर्देशानुसार अजमेर सहित राजस्थान में 11 स्वाभिमान भोज रसोई का संचालन किया जा रहा है । स्वाभिमान भोज रसोई में रोजाना पांच हजार जरूरतमंदों को एक रुपए में शुद्ध स्वादिष्ट एवं पोस्टिक भोजन परोसा जाता है। इस अवसर पर जवाहर फाउंडेशन के मनीष अग्रवाल मुकेश राठौर भारत सिंह राणा राजेंद्र वर्मा एवं मनीष सेन आदि उपस्थित रहे।

श्री अजमेर व्यापारिक महासंघ व जन सेवा समिति की सर्वधर्म समिति के तत्वावधान में स्कुल शू वितरण

अजमेर,(हुक्मनामा समाचार)। श्री अजमेर व्यापारिक महासंघ के पदाधिकारियो और जन सेवा समिति की सर्वधर्म समिति के तत्वावधान में स्कूल शू वितरण किये गये।श्री अजमेर व्यापारिक महासंघ के संस्थापक व महासचिव रमेश लालवानी के नेतृत्व में रविवार को जन सेवा समिति के पदाधिकारियो के साथ चरण पादुकाओ को प्रदान किया गया। महाबोद्वि विद्यालय अशोक विहार की प्रधानाध्यापिका श्रीमती सोनी गुणवन्त राहुल ने बताया कि सर्दी को देखते हुए चरण पादुका वितरण करना अत्यन्त सराहनीय कार्य है।इस कार्य में श्री रमेश लालवानी के नेतृत्व में सहयोग करने वालो में वैशाली नगर व्यापारिक ऐसोसिएशन के अनिल आडवानी,पूज्य सिन्धी पंचायत अजमेर के संरक्षक डा. लक्ष्मण हरचन्दानी,सुश्री विद्या,श्री श्याम प्रेमी बाजार के महासचिव गोविन्द लालवानी आदि के सहयोग से सेवा कार्य सम्पन्न करवाया गया।

दीन दु:खी दिव्यांग सेवा सस्था अजमेर की एक नई पहल

दिव्यांग, जरूरत मंदो को एक दिवसीय नि:शुल्क तीर्थ यात्रा

अजमेर,(हुक्मनामा समाचार)। सचिव पीयूष सुराणा ने बताया कि संस्था की संस्थापक श्रीमती भगवती देवी एवं अध्यक्ष महेंद्र कुमार जोशी के नेतृत्व में एक दिवसीय नि:शुल्क खाटू श्याम की यात्रा करवाई गई। इस यात्रा का उद्देश्य जो व्यक्ति असमर्थ,दिव्यांग जन है उन्हें यात्रा का लाभ दिलवाना रहा। इस यात्रा में संस्था के सदस्य पदाधिकारी और दिव्यांग जन ने भी लाभ लिया। यात्रा के दौरान भजन कीर्तन गाते हुए आनंद लिया गया। श्री निंबार्काचार्य श्री जी महाराज, सुरसुरा तेजा जी,मारोठ के भैरू जी और खाटू श्याम नरेश की यात्रा करवाई गई। सभी ने दर्शन

कर देश में खुशहाली, भाईचारे और सभी की उन्नति की कामना की। यात्रा में पवन देवी सुराणा, प्रकाश खन्ना, मुकेश जोशी, कविता चौहान,हरि शंकर जोशी, भोमराज गुर्जर, ललिता जोशी, मीनू मंडरावलिया, ममता, चंद्र प्रकाश खत्री, मुकेश मौर्य, पूरन, श्रेयांस सुराणा, मंजूर, दुर्गा शर्मा, महेंद्र जोशी श्रीनगर, भुवनेश जोशी, देवेंद्र तुन्दवाल, शारदा खन्ना, शिवराज ,गौरव जोशी, राकेश चौहान, रिया, गिरवर लाल जाट, मंजू शर्मा,के साथ करीब 55 यात्रियों ने यात्रा का लाभ लिया।

वार्डों के प्रारूप का हुआ अंतिम प्रकाशन

अजमेर। जिले में जिला परिषद एवं पंचायत समिति के वार्डों का आपत्तियों के निस्तारण के पश्चात प्रकाशन किया गया है। जिला कलक्टर श्री लोक बन्धु ने बताया कि जिले में जिला परिषद तथा पंचायत समिति के वार्डों (एकल सदस्य निर्वाचन क्षेत्रों) के निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्गठन, पुनर्सीमांकन एवं पुनर्निधारण का प्रारूप प्रकाशन दिनांक 30 दिसम्बर, 2025 से किया जाकर दिनांक 06 जनवरी, 2026 तक जन साधारण से आपत्तियों आमंत्रित की गई थी। 17 जनवरी को जिले की जिला परिषद अजमेर तथा समस्त पंचायत समितियों अजमेर ग्रामीण, बडल्या, पीसांगन, श्रीनगर, भिनाय, सरवाड़, पुनर्निधारण कर प्रारूप का अंतिम प्रकाशन किया गया है।

सम्राट पृथ्वीराज चैहान की जीवन पर विशेषज्ञो द्वारा बताई जायेगी शौर्य गाथा

अजमेर,(हुक्मनामा समाचार)। गणतंत्र दिवस काय्रक्रम सम्राट पृथ्वीराज चैहान तारागढ पहाडी पर स्मारक पर विभिन्न संगठनो के द्वारा कार्यक्रम के संयोजक सर्वधर्म समिति के सरदार भजन सिंह के संयोजन में 23जनवरी शुक्रवार को प्रात: काल 08.00 बजे आयोजित किया जायेगा। उपरोक्त कार्यक्रम की जानकारी प्रदान करते हुए जन सेवा समिति और श्री अजमेर व्यापारिक महासंघ की सर्वधर्म समिति के संस्थापक व महासचिव रमेश लालवानी ने बताया कि उपरोक्त सम्बंध में रविवार को नारी शाला बाजार व्यापारिक ऐसोसिएशन के मीरा स्टूडियो पर कार्यक्रम के सम्बंध में मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमें मनीष कुमार शर्मा को भारत के नक्शे का विशाल फलेक्स बनाने की जिम्मेदारी और उसमें अजमेर के सम्राट पृथ्वीराज चैहान का स्मारक व चित्र बनाने ,तिरंगा झण्डे लाने की जिम्मेदारी तरूण वर्मा को,स्मारक पर आयोजन की तैयारियो के सम्बंध में राकेश जी को जिम्मेदारी प्रदान की गई।रमेश लालवानी ने बताया कि इस अवसर पर वीरो महापुरूषो की गाथाओ के साथ साथ सरदार भजन सिंह के द्वारा किये गये साहसिक कार्यो और प्राप्त मेडलो और सम्मान की जानकारी भी प्रदान की जायेगी।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने किया साई मंदिर का शुभारम्भ

अजमेर,(हुक्मनामा समाचार)। खरेखड़ी रोड़ पुष्कर स्थित साईदत्त विकास साईधाम में रविवार को मौनी अमावस्या के अवसर पर साई मंदिर का शुभारम्भ विधिवत पूजा अर्चना के साथ किया गया। साईदत्त विकास साईधाम के संस्थापक विकास रूणवाल ने ट्रस्ट द्वारा करवाए विकास कार्यों से अवगत कराया। इसके साथ केन्द्रीय कृषि मंत्री भागीरथ चौधरी ने भी पूजा की।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे रविवार को साईदत्त विकास साई धाम पहुंचे। इसका निर्माण करवाने वाले चैरीटेबल ट्रस्ट के संस्थापक विकास रूणवाल, केन्द्रीय कृषि मंत्री भागीरथ चौधरी, महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल, संभागीय आयुक्त शक्ति सिंह राठौड़,

पुलिस महानिरीक्षक राजेन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा के द्वारा पूजा अर्चना की गई। राज्यपाल बागड़े को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। वैदिक मंत्रोचारण के साथ पूजा अर्चना सम्पन्न हुई। पूर्ण विधि विधान के साथ सांई मंदिर गर्भगृह में पूजा कर मंदिर का शुभारम्भ किया गया। उन्होंने मुख्य मंदिर में पूजा करने के पश्चात परिसर स्थित अन्य मंदिरों में भी पूजा की। चावड़ी मंदिर तथा द्वारका माई सांई बाबा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके साथ-साथ नवग्रह मंदिर तथा 24 तीर्थंकर मंदिर को नमन किया। गणेश, दुर्गा माता, लक्ष्मी माता, सरस्वती माता, विट्ठल रूक्मणी, राधाकृष्ण मंदिर में भी पूजा करने के पश्चात, 11 मुखी हनुमान मंदिर और शिव मंदिर में शीश नवाया। बागडे ने मीडियाकर्मियों के साथ वार्ता में कहा कि उपचारक विकास रूणवाल के द्वारा पुष्कर क्षेत्र में सांई मंदिर के साथ अन्य देवी देवता मंदिरों की स्थापना से क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। पुष्कर में पूर्व के केन्द्रों के साथ यह भी नवीन पर्यटन केन्द्र विकसित होने से आगन्तुकों को आकर्षित करेगा। इससे क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि परिसर में बड़ी संख्या में वृक्षारोपण किया गया है। इससे पर्यावरण संरक्षक का कार्य होगा। आगंतुकों को पर्यावरण और प्रकृति के बारे में प्रेरणा मिलेगी। वृक्षारोपण से वर्षा की मात्रा बढ़ेगी। इससे किसानों को लाभ होगा। इसका प्रभाव देश के उत्पादन तथा आर्थिक तंत्र पर सकारात्मक रूप से पड़ेगा। साथ ही रूणवाल द्वारा व्यक्तियों की शारीरिक, मानसिक, आर्थिक, आपसी सम्बन्धों सहित विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए अभिमंत्रित जल, बाम और तेल देकर आमजन का समाधान किया जाएगा। संस्थापक विकास रूणवाल ने बताया कि साई मंदिर के लिए काला पत्थर महाराष्ट्र से लाया गया है। मुख्य शिरडी मंदिर के समान तथा बराबर आकार की मूर्ति यहां स्थापित है। यहां नवग्रह वाटिका, राशि नवग्रह वाटिका, पंचवटी वाटिका, 24 तीर्थंकर वाटिका, 16 योग माता मंदिर, शनि शिंगणापुर मंदिर, शिव परिवार, विठ्ठल रूक्मणी, राधाकृष्ण, रूद्रावतार सहित 61 मंदिर विद्यमान है। कुल 22 बीघा में विस्तारित परिसर में 5 हजार वर्ग फीट की योग वाटिका भी है। प्रत्येक मंदिर एक पेड़ प्रजाति से जुड़ा हुआ है। पर्यावरण सरंक्षण के लिए रिसाईकल जल का उपयोग किया जाता है। बूंद-बूंद पद्धति अपनाई गई है। वन्य जीवों के लिए चारों और एनीकट बनाकर हमेशा जल उपलब्ध कराया जाता है। इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी नरेन्द्र कुमार मीणा एवं चन्द्रशेखर भण्डारी, उपखण्ड अधिकारी गुरूप्रसाद तंवर, निर्वतमान अध्यक्ष कमल पाठक सहित गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सम्पादकीय...

बढ़ता वीआईपी कल्चर

देश के लगभग सभी स्थान पर वीआईपी कल्चर बढ़ता जा रहा है विदेश में जहां वीआईपी कल्चर लगभग नहीं के बराबर है वही हमारे देश में रोज नए-नए वी आई पी पैदा हो रहे हैं। हम आसपास की दुनिया में देखें तो राजनेताओं के परिजन और बेटे बेटी ज्यादा वी आई पी हो रहे हैं। पहले तो मंत्रियों के बेटे वी आई पी हुआ करते थे लेकिन अब तो विधायकों और पार्टी पदाधिकारी के बेटे बेटी भी वीआईपी कल्चर में रहने लगे हैं। लोकल सर्कल्स नामक एक संस्था द्वारा किए गए ऑनलाइन सर्वे में कई चौंकाने वाली बात सामने आई है 77% लोगों ने कहे कि उन्होंने पिछले 12 महीने में वीआईपी कल्चर अनुभव किया है 1924 मे यह आंकड़ा 64% पर था,जो अब 77 पर आ गया है सर्वे में 10 में से आठ लोगों ने बताया कि उन्होंने मंदिर मस्जिद जैसे पूजा स्थलो सड़कों टोल प्लाजा और सार्व जनिक व निजी आयोजनों में वीआईपी कल्चर महसूस की है सर्वे में 333 जिलों के 54000 लोगों ने जवाब दिया। सर्वे में शहरों को पांच श्रेणी में बांटा गया था जो टियर 1 ,2,3,4और5 मैं विभक्त थे, सर्वे में जिस तरह से जवाब है उसमें 44% टियर 1, 29% टियर 2, 27% टियर 3,4 और 5ओर ग्रामीण इलाके के थे।सभी से एक सवाल पूछा गया था की यात्रा के दौरान पिछले एक साल में किन-किन स्थानों पर वीआईपी कल्चर महसूस किया इसके जवाब में 81% लोगों ने सड़क और टोल टैक्स बताया 70% में एयरपोर्ट फ्लाइट में बताया 52% में ट्रेन रेलवे स्टेशन पर वीआईपी कलर होना बताया जबकि 22% ने अन्य स्थानों पर इसे माना। वीआईपी कल्चर देश में इसलिए बढ़ रही है क्योंकि वीआईपी कल्चर का फायदा हर वहैआदमी उठाना चाहता है जिसको अपने आप को वीआईपी साबित करने से लाभ होता हो।

वैभव लोढ़ा...

इतिहास में आज

1597: मेवाड़ के महान शासक और योद्धा महाराणा प्रताप का निधन हुआ।
1966: लाल बहादुर शास्त्री के निधन के बाद इंदिरा गांधी भारत की चौथी और पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं।
1977: कुंभ मेले में 15 मिलियन लोगों की रिकॉर्ड भीड़ जुटी।
1990: कश्मीर घाटी से कश्मीरी पंडितों का बड़े पैमाने पर पलायन हुआ, जो एक दुखद त्रासदी थी।

-धर्म चंद मेहता

क्रॉस फायर

❑सुप्रीम कोर्ट बोला विदेशी सरकारों के दबाव में नहीं, राष्ट्र हित में हो कोई भी संधि।
◆पर उस पागल ट्रंप को कौन समझाए।
❑एक्शन में नागर विमानन महानिदेशालय, इंडिगो पर ठोका 22 करोड़ का जुर्माना।
◆हड़ताल के समय तो वह सरकार का बाप बना हुआ था।
❑गणतंत्र दिवस पर आतंकी हमले का अलर्ट, दिल्ली में सुरक्षा सख्त।
◆हर 15 अगस्त 26 जनवरी को ऐसा ही माहौल बनता है।
❑ममता बनर्जी ने सीजे आई से अपील की, संविधान की रक्षा करें।
◆क्योंकि यह कोर्ट के बस की बात है।
❑राहुल गांधी बोले पानी पीकर लोग मर रहे हैं यही है हमारा अर्बन मॉडल।
◆यह सारी सरकारों के खिलाफ टिप्पणी है पर मिर्ची भाजपा को लगेगी।
❑राहुल गांधी ने मध्य प्रदेश में दूषित पानी से पीड़ित मरीज और परिजनों से मुलाकात की।
◆चलो कोई तो उनका दुख देखने पहुंचा।
❑मध्य प्रदेश में कांग्रेस विधायक के बिगड़े बोल खूबसूरत लड़की दिखने पर हो सकता है रेप।
◆ऐसी मानसिकता वाले की तो घूमने पर प्रतिबंध लगना चाहिए।
❑असम के मुख्यमंत्री बोले कांग्रेस ने कभी असम के विकास के बारे में नहीं सोचा।
◆क्योंकि कांग्रेस में पहले ऐसे ही लोग थे।

..............अंजू लोढ़ा

आज का राशिफल

सोमवार 19 जनवरी, 2026

मेष राशि: आज आप पर तनाव व चिंता हावी रहेगी। आप अपने प्रोफेशन में परिवर्तन की कामना करेंगे। पढ़ाई में रुचि की कमी रहेगी। पैरों में दर्द की वजह से अस्त-व्यस्त रहेंगे।

वृषभ राशि: अपने व्यवसाय को लेकर यात्रा होगी। प्रोजेक्ट के लिए नए साझेदार मिलेंगे। घर के किसी सदस्य की चिंता रहेगी। अस्वस्थता रहेगी। बकाया वसूली होगी।

मिथुन राशि: क्रोध रोज़ नई योजना बनती है पर चालू एक नहीं होती। परिवार में पूछ परख कम होगी। पिता के साथ आजकल अ'छी घुल-मिल रही है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। भय, चिंता तथा तनाव का माहौल खत्म होगा।

कर्क राशि: आज का दिन महत्वपूर्ण है। नए लोगों से जरा संभल कर मित्रता करें। किसी देव स्थान का भ्रमण संभव है। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। राजकीय सहयोग मिलेगा। किसी भी विवाद से बचें।

सिंह राशि: दिन की शुरुआत में आलस हावी रहेगा। संतों का सान्निध्य मिलेगा। वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद से बचें। अतिविश्वास हानिकर सिद्ध होगा।

कन्या राशि: किसी भी कीमत पर झुकना आप को पसंद नहीं है। वैवाहिक यात्रा सफल रहेगी। गृहस्थ सुख मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। कार्य में बाधा संभव है।

तुला राशि: अपने कॅरियर को लेकर आप ईमानदार नहीं हैं। संभल जाएं। संपत्ति के बड़े सौदे हो सकते हैं जो लाभ देंगे। कार्यस्थल में उन्नति होगी। निवेश आदि लाभदायक रहेंगे।

वृश्चिक राशि: समय के परिवर्तन से राहत महसूस करेंगे। विद्यार्थी वर्ग सफल रहेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। अनाज में निवेश शुभ रहेगा। सोच-विचार कर व्यापार करें अन्यथा अचानक हानि संभावित है।

धनु राशि: आप के हौसले से ही आप उन्नति करेंगे। नए वस्त्र की प्राप्ति संभव है। माता-पिता को अस्वस्थता रहेगी। आपसी विवाद न करें। शुभ समाचार मिल सकता है।

मकर राशि: कार्यस्थल पर अधिकारियों से विवाद होंगे। आपकी गलती के कारण बने बनाय काम बिगड़ सकते हैं। बातचीत से काम बन जाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कुम्भ राशि: बड़ों की बात भी मान लेनी चाहिए। पुराने मित्र-संबंधी से मुलाकात आज संभव है। मित्रों से शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मसम्मान बढ़ेगा। आज कहीं से पुराना फंसा हुआ पैसा मिलने के चांस बनेंगे।

मीन राशि: आज किसी से भी विवाद न करें। अपने अधिकारों का गलत प्रयोग न करें। यात्रा लाभकारी रहेगी। आपकी मेहनत से उन्नति का मार्ग प्रशस्त होगा। निवेश आदि कार्य में सफल होंगे।

राजेन्द्र गुप्ता
ज्योतिषी और हस्तरेखाविद, मो. 9611312076

नोट- अगर आप अपना भविष्य जानना चाहते हैं तो दिए गए मोबाइल नंबर पर कॉल करके या इसी व्हाट्स एप नम्बर पर मैसेज भेजकर पहले शर्तें जान लेवें, इसी के बाद अपनी बर्थ डिटेल और हैंडप्रिंट्स भेजें।

समुद्री जीवन के रक्षक: राष्ट्रीय पेंगुइन दिवस का महत्व

सुनील कुमार महला

हर साल 20 जनवरी को राष्ट्रीय पेंगुइन दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य पेंगुइन प्रजातियों और उनके प्राकृतिक आवासों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यह दिन विशेष रूप से अंटार्कटिका में पेंगुइनों के वार्षिक प्रवास से जुड़ा है, जब वे सर्दियों के बाद अपने प्रजनन और भोजन क्षेत्रों की ओर लौटते हैं।

यद्यपि इस दिवस की कोई आधिकारिक वार्षिक थीम नहीं घोषित होती, लेकिन इसका मूल संदेश हमेशा एक ही रहता है- 'पेंगुइनों और उनके आवास की रक्षा करें।' पेंगुइन केवल आकर्षक और प्यारे दिखने वाले जीव नहीं हैं, बल्कि छोटे कान, छोटी गर्दन और कॉम्पैक्ट शरीर वाले ये पक्षी पृथ्वी के नाजुक पर्यावरण संतुलन के महत्वपूर्ण प्रहरी माने जाते हैं। समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य के संकेतक जीव होने के कारण पेंगुइनों का संरक्षण समुद्री जीवन के लिए अनिवार्य है। दुनिया भर में पेंगुइन की लगभग 18 प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जिनमें से अधिकांश दक्षिणी गोलार्ध और अंटार्कटिका क्षेत्र में रहती हैं, जबकि कुछ प्रजातियाँ गैलापागोस द्वीप, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के अपेक्षाकृत गर्म क्षेत्रों में भी देखी जाती हैं। पेंगुइन उड़ नहीं सकते, लेकिन वे उत्कृष्ट तैराक होते हैं और पानी में तेज़ी से गोता लगाकर मछलियाँ पकड़ने में सक्षम हैं। वे जीवनभर एक ही साथी के प्रति वफादार रहते हैं और सामूहिक जीवन शैली अपनाते हैं। हालांकि, जलवायु परिवर्तन के कारण बर्फ के तेजी से पिघलने और समुद्र के तापमान में वृद्धि से उन्हें भोजन ढूंढने, अंडे देने और बच्चों को पालने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। दुनिया भर में पेंगुइनों की संख्या अनुमानित रूप से 2 करोड़ से 5 करोड़ के बीच है, लेकिन गैलापागोस और अफ्रीकी पेंगुइन जैसी कई प्रजातियाँ संकट में हैं और उनकी संख्या घटकर केवल हजारों में रह गई है। भारत में पेंगुइन प्राकृतिक रूप से नहीं पाए जाते, क्योंकि भारतीय जलवायु उनके प्राकृतिक जीवन के अनुकूल नहीं है। हालांकि, संरक्षण और शिक्षा के उद्देश्य से मुंबई के वीरमाता जीजाबाई भोसले उद्यान और ओडिशा के नंदनकानन प्राणी उद्यान में मुख्यत: हम्बोल्ट पेंगुइन रखे गए हैं। पेंगुइन का काला-सफेद 'टक्सीडो' रंग शिकारियों से बचाव के लिए प्राकृतिक सुरक्षा प्रणाली (काउंटर-शेडिंग) है। इनके पास सुप्राऑर्बिटल ग्रंथि होती है, जो समुद्री पानी का अतिरिक्त नमक शरीर से निकाल देती है। कुछ प्रजातियाँ साथी को आकर्षित करने के लिए चिकना पत्थर भेंट करती हैं, जबकि इनके मुँह में दाँत नहीं होते, लेकिन जीभ और ऊपरी हिस्से में पीछे की ओर मुड़े कँटीले उभार मछली पकड़ने में मदद करते हैं।जेंटू पेंगुइन लगभग 36 किमी प्रति घंटे की गति से तैर सकते हैं, जबकि एम्परर पेंगुइन लगभग 1,850 फीट गहराई तक गोता लगाकर 20 मिनट तक साँस रोक सकते हैं। पेंगुइन साल में एक बार 'कैटास्ट्रॉफिक मोल्ट' से गुजरते हैं, जब उनके सभी पंख झड़ जाते हैं और वे कई सप्ताह तक भोजन नहीं कर पाते। अत्यधिक ठंड के बावजूद, माइनस 40 डिग्री सेल्सियस तापमान में भी ये जीवित रहते हैं, इसके पीछे उनके घने पंख, प्राकृतिक इंसुलेशन, विशेष ब्लड सर्कुलेशन सिस्टम और सामूहिक हडलिंग बिहेवियर का योगदान है। यहां यदि हम हडलिंग बिहेवियर की बात करें तो पेंगुइन का हडलिंग व्यवहार प्रकृति में टीमवर्क और उत्तरजीविता (सर्वाइवल) का एक बेजोड़ उदाहरण है। जब अंटार्कटिका में तापमान शून्य से काफी नीचे गिर जाता है और बर्फीली हवाएं चलती हैं, तो हजारों एम्परर पेंगुइन एक-दूसरे से सटकर एक विशाल घेरा बना लेते हैं। इस झुंड के केंद्र में तापमान इतना अधिक बढ़ जाता है कि बाहर की कड़ाके की ठंड के बावजूद अंदर मौजूद पेंगुइन खुद को पसीने जैसी गर्मी में महसूस करते हैं। सबसे दिलचस्प बात यह है कि यह समूह स्थिर नहीं रहता; पेंगुइन बहुत ही धीमी गति से एक 'लहर' की तरह चलते रहते हैं, जिससे बाहर की कतार में खड़े पेंगुइन धीरे-धीरे अंदर की ओर आते हैं और अंदर वाले बाहर की ओर जाते हैं। यह निष्पक्ष प्रक्रिया सुनिश्चित करती है कि समूह के हर सदस्य को ठंड से बचने के लिए गर्मी मिल सके। इस सामाजिक तालमेल के बिना, अकेले रहने पर एक पेंगुइन अपनी ऊर्जा बहुत जल्दी खो देता और उसके जीवित रहने की संभावना न के बराबर होती।बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि अंटार्कटिका में केवल एम्परर और एडेली पेंगुइन पाए जाते हैं, जबकि चिनस्ट्रैप, जेंटू और मैकरोनी पेंगुइन अंटार्कटिक प्रायद्वीपीय क्षेत्रों में प्रजनन करते हैं। किंग पेंगुइन उप-अंटार्कटिक द्वीपों में पाए जाते हैं और गैलापागोस पेंगुइन भूमध्य रेखा के पास रहने वाली एकमात्र प्रजाति है।

निष्कर्षत:, राष्ट्रीय पेंगुइन दिवस हमें यह याद दिलाता है कि पेंगुइन जैसे संवेदनशील और अद्भुत पक्षियों का संरक्षण केवल एक प्रजाति की रक्षा नहीं है, बल्कि समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र, जैव-विविधता और पृथ्वी के प्राकृतिक संतुलन को बचाने की वैश्विक जिम्मेदारी भी है।

रासायनिक उर्वरकों का बढ़ता जाल: क्या अब बड़े सुधारों का समय आ गया है?

पद्मश्री राम सरन वर्मा

भारत एक कृषि प्रधान देश है, जहाँ की एक बड़ी आबादी अपनी आजीविका के लिए सीधे तौर पर खेती पर निर्भर है।देश की बढ़ती खाद्य माँग को पूरा करने के उद्देश्य से पिछले कई दशकों से रासायनिक उर्वरकों का उपयोग निरंतर बढ़ाया गया है।शुरुआती दौर में इन उर्वरकों ने उत्पादन बढ़ाने में निश्चित रूप से मदद की, लेकिन आज इनके अंधाधुंध और अनियंत्रित उपयोग के कारण कृषि, पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर गंभीर संकट मंडराने लगा है।

उर्वरकों की खपत के भयावह आंकड़े- देश में रासायनिक उर्वरकों के बढ़ते उपयोग का अंदाज़ा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि वर्ष 2018-2019 में जहाँ 115 करोड़ बैग की खपत हुई थी, वहीं 2024-25 के दौरान यह आंकड़ा 150 करोड़ बैग को पार कर गया है।गौर करने वाली बात यह है कि भारत की जनसंख्या लगभग 143 करोड़ है, जबकि उर्वरकों की खपत 150 करोड़ बैग से भी अधिक हो चुकी है।यह असंतुलन न केवल चिंताजनक है, बल्कि भविष्य के लिए एक बड़े खतरे का संकेत भी है।

सेहत और मिट्टी पर दोहरी मार-रासायनिक उर्वरकों का असर अब हमारे थाल तक पहुँच चुका है।गेहूँ, चावल, दालें, सब्जियाँ, फल और यहाँ तक कि दूध, दही और घी भी इनके रसायनों से अछूते नहीं रहे हैं।इसके परिणामस्वरूप देश में कैंसर, हृदय घात, एलर्जी और मधुमेह जैसी गंभीर बीमारियों के मामले दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे हैं। खेतों की स्थिति भी कम सोचनीय नहीं है। नियमानुसार, उर्वरकों का उपयोग केवल पौधों की जड़ों के पास होना चाहिए, लेकिन पूरे खेत में इनके छिड़काव से खरपतवार की समस्या बढ़ जाती है।इस खरपतवार को खत्म करने के लिए फिर भारी मात्रा में खरपतवार-नाशक दवाओं का उपयोग होता है, जो मिट्टी की उर्वरता को नष्ट कर देती हैं।मिट्टी की खोई हुई शक्ति वापस पाने के लिए किसान और अधिक खाद डालता है, और यह दुष्चक्र हर साल मिट्टी को और अधिक बंजर बनाता जा रहा है।

अर्थव्यवस्था पर बोझ और कालाबाजारी-उर्वरक क्षेत्र में बढ़ता निवेश देश की अर्थव्यवस्था पर भी भारी पड़ रहा है।वर्तमान में देश में प्रतिवर्ष लगभग 3 लाख करोड़ रुपये (सब्सिडी सहित) के रासायनिक उर्वरकों का उपयोग हो रहा है।विडंबना यह है कि हमारा उर्वरक उद्योग 80 प्रतिशत तक विदेशी कच्चे माल या आयातित उर्वरकों पर निर्भर है।कुल 3 लाख करोड़ रुपये में से 2.5 लाख करोड़ रुपये केवल आयात में खर्च हो जाते हैं।इस प्रकार, एक ओर हमारी भूमि बंजर हो रही है, तो दूसरी ओर देश की बड़ी पूंजी विदेशों में जा रही है। सरकार किसानों के कल्याण के लिए भारी सब्सिडी दे रही है।पिछले 10 वर्षों में लगभग 13 लाख करोड़ रुपये की उर्वरक सब्सिडी प्रदान की गई है।

इसी सब्सिडी के कारण 40 रुपये प्रति किलो वाली यूरिया खाद किसानों को 6 रुपये प्रति किलो से भी कम दाम पर उपलब्ध है।स्थिति यह है कि यूरिया आज पशुओं के चारे से भी सस्ता हो गया है।सरकार 85 से 90 प्रतिशत तक सब्सिडी देती है ताकि किसानों को यूरिया एक चाय के कप से भी कम कीमत पर मिले।लेकिन इसी कम कीमत का लाभ उठाकर बिचौलिए इसकी कालाबाजारी करते हैं और कृषि के बजाय इसका उपयोग प्लाईवुड कारखानों, कैटल फीड और मिलावटी दूध बनाने में कर रहे हैं।

सुधार की राह और समाधान- इस संकट से उबरने के लिए अब ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है।पहले खेतों से निकलने वाले अवशेषों का उपयोग जैविक खाद के रूप में होता था, जिससे मिट्टी का 'जैविक कार्बन' बना रहता था।आज इन अवशेषों को बेचने से किसानों को कुछ लाभ तो होता है, लेकिन वह रासायनिक उर्वरकों की वास्तविक लागत के मुकाबले बहुत कम है। सरकार को चाहिए कि वह रासायनिक उर्वरकों के बैग का वजन कम कर उसकी जगह जैविक खाद के विकल्प उपलब्ध कराए।साथ ही, अत्यधिक उर्वरक उपयोग वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर वहां विशेष निगरानी दल गठित किए जाने चाहिए।

धरती की सेहत सुधारने के लिए जरूरी सुझाव:

1.हरी खाद का अधिक इस्तेमाल: जिस तरह शरीर को स्वस्थ रखने के लिए योग आवश्यक है, उसी तरह से मिट्टी के स्वास्थ्य के लिए हरी खाद अनिवार्य है।

2.पौधों का विकास: जैविक खाद के प्रयोग से पौधों की जड़ों को फैलने और गहराई तक जाने का पर्याप्त अवसर मिलता है।

3.वैज्ञानिक फसल चक्र: एक ही तरह की फसल बार-बार उगाने के बजाय फसल चक्र बदलें।जैसे दलहनी फसलें जमीन के गहरे स्तर से पोषक तत्व लेती हैं, जबकि गेहूं और धान ऊपरी सतह से।

4.उन्नत सिंचाई तकनीक: ड्रिप इरिगेशन (टपक सिंचाई) अपनाएं और खेती से पहले भूमि को समतल करें।इससे पानी की बचत होगी और उर्वरक सीधे पौधों पर कारगर तरीके से काम करेंगे।

5.यूरिया का कुशल उपयोग: यूरिया का छिड़काव शाम के समय अधिक प्रभावी होता है, जिससे कम खाद में बेहतर परिणाम मिलते हैं।

6.पशुधन और जैविक संतुलन: पशुपालन को बढ़ावा दें ताकि गोबर की खाद का उपयोग बढ़े।इससे उत्पादन क्षमता दीर्घकालिक बनी रहेगी और मिट्टी को भी विश्राम मिलेगा।

यदि हमने आज मिट्टी नहीं बचाई, तो हमारा भविष्य भी सुरक्षित नहीं रहेगा। समय आ गया है कि हम रसायनों के इस मोह को छोड़कर प्रकृति की ओर लौटें।

दुनिया में हर 8वां शख्स मोटापे से जूझ रहा है

बाल मुकुन्द ओझा

विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के मुताबिक, हर साल 28 लाख मौतें मोटापे से होती हैं। रिपोर्ट कहती है कि दुनिया में हर 8वां शख्स मोटापे से जूझ रहा है। यह बीमारी इतनी तेजी से बढ़ रही है कि ड्ढ।॥ह्र इसे एपिडेमिक मान रहा है। मोटापा कार्डियोवस्कुलर डिजीज और कैंसर जैसी कई गंभीर बीमारियों के लिए रास्ता तैयार करता है। मेडिकल जर्नल द लांसेट में प्रकाशित एक स्टडी में यह सामने आया है कि भारत में 2022 में लगभग 1.25 करोड़ बच्चे और किशोर मोटापे का शिकार बने। इन बच्चों और किशोरों की उम्र 5 साल से ज्यादा और 20 साल से कम है। यूनिसेफ की एक ताज़ा रिपोर्ट के मुताबिक बच्चों और युवाओं को अब कुपोषण के स्थान पर मोटापा ने जकड़ लिया है, जिसके दुष्परिणामों से पूरी दुनिया चिंतित है। यूनिसेफ ने अपनी एक रिपोर्ट जारी करते हुए बताया कि मोटापा ने कुपोषण को पीछे छोड़ दिया है। कम वज़न का स्थान मोटापा ने ले लिया है। मोटापा के कारण डायबिटीज, हृदय रोग और कैंसर जैसी असाध्य बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ता ही जा रहा है।

रिपोर्ट में 2035 तक मोटापे को बड़ी चुनौती बताई गई है। आज दुनियाभर में दस में से एक बच्चा या किशोर मोटापे का शिकार है। विश्व मोटापा एटलस2024 के अनुमानों के मुताबिक 2035 तक लगभग 330 करोड़ व्यस्क मोटापे से ग्रस्त होंगे। साथ ही 5 से 19 साल की आयु सीमा के 77 करोड़ से अधिक किशोर और युवाओं को मोटापा घेर लेगा। भारत की बात करें तो विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक 2022 तक सवा सात प्रतिशत से अधिक व्यस्क मोटापे की चपेट में थे। नेशनल फैमिली हेल्थ और मेडिकल पत्रिका लेसेन्ट आदि के अनेक प्रमाणिक सर्वेक्षणों में भी कहा गया है कि हमारे देश में पेट के मोटापे की समस्या सर्वाधिक है। यह समस्या महिलाओं में 40 और पुरुषों में 12 प्रतिशत पाई गई है। स्वास्थ्य के प्रति इस गंभीर खतरें को हमने समय रहते सख्ती से नहीं रोका तो यह देश में नशे से भी अधिक भयावह स्थिति उत्पन्न कर देगा और इसके जिम्मेदार केवल केवल हम ही होंगे। आयातित और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के अत्यधिक सेवन ने देश के नौनिहालों से लेकर किशोर, युवा और बुजुर्ग तक को अपने आगोश में ले लिया है। इसके फलस्वरूप देश और दुनियाभर में मोटापे की समस्या गंभीर रूप से उत्पन्न हो गई है। विशेषकर वयस्क आबादी इसकी चपेट में आ गई है। प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों को हानिकारक इसलिए माना जाता है क्योंकि इनमें स्वाद और स्वाद को बेहतर बनाने के लिए बहुत सारे कृत्रिम योजक या रसायन होते हैं। आप प्रत्येक पैकेज के पीछे लगे लेबल को पढ़कर किसी विशेष खाद्य उत्पाद को बनाने में प्रयुक्त सामग्री की पहचान कर सकते हैं। भारत की बात करे तो हमारते यहां मोटापा बड़ी समस्या बन गया है। शरीर में जब एक्स्ट्रा फैट जमा हो जाता है, तब यह मोटापे का रूप ले लेता है।

यही मोटापा लोगों को कम उम्र में ही बीमारियों का मरीज बना देता है। मोटापे की बीमारी फिजिकल हेल्थ के साथ-साथ मेंटल हेल्थ पर भी असर डालती है। हमारे देश में मोटापे की समस्या हर उम्र के लोगों में फैल रही है और मोटापे के कारण ही अन्य लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है। स्वास्थ्य संगठनों और चिकित्सकों का मानना है पिछले कुछ वर्षों से आयातित और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के अत्यधिक सेवन ने देश के नौनिहालों से लेकर किशोर, युवा और बुजुर्ग तक को अपने आगोश में ले लिया है। इसके फलस्वरूप देश और दुनियाभर में मोटापे की समस्या गंभीर रूप से उत्पन्न हो गई है। विशेषकर वयस्क आबादी इसकी चपेट में आ गई है। प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों को हानिकारक इसलिए माना जाता है क्योंकि इनमें स्वाद और स्वाद को बेहतर बनाने के लिए बहुत सारे कृत्रिम योजक या रसायन होते हैं। आप प्रत्येक पैकेज के पीछे लगे लेबल को पढ़कर किसी विशेष खाद्य उत्पाद को बनाने में प्रयुक्त सामग्री की पहचान कर सकते हैं।

एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत एक स्वास्थ्य संकट का सामना कर रहा है, जिसमें कुल रोगों का 56.4 प्रतिशत हिस्सा असंतुलित आहार के कारण है। अनहेल्दी खाने की आदतें, जिनमें नमक, चीनी और वसा से भरपूर प्रोसेस्ड फूड का सेवन शामिल है, फास्ट-फूड चेन और पैकेज्डस्नैक्स की आसान उपलब्धता के कारण यह आदतें तेजी से बढ़ रही हैं। देश में मोटापे की समस्या तेजी से बढ़ रही है। मोटापे की वजह से डायबिटीज और हृदय रोग जैसी बीमारियों का रिस्क बढ़ रहा है। हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि इस समस्या के बीच मुझे इस बात का भी संतोष है कि आज देश फिट इंडिया मुवमेंट के माध्यम से फिटनेस और हेल्दी लाइफस्टाइल के लिए जागरूक हो रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मोटापा दूर करने के लिए अपने खाने में अनहेल्दी फैट और तेल को थोड़ा कम करें।

मेडिकल पीजी में 0 पर्सेंटाइल पर प्रवेश से अध्ययन गुणवत्ता पर उठते सवाल

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

इससे अधिक दुर्भाग्य की बात क्या होगी कि जिस संस्था की जिम्मेदारी ही मेडिकल शिक्षा में गुणवत्ता कायम रखने की हो वही शिक्षा की गुणवत्ता के साथ समझौता करने लग जाएं। जी हां, बात भारतीय चिकित्सा आयोग और मेडिकल स्नातकोत्तर अध्ययन की है। भारतीय चिकित्सा आयोग की सिफारिश पर केन्द्र सरकार ने मेडिकल के स्नातकोत्तर अध्ययन में प्रवेश के लिए अनिवार्य अहर्ता सामान्य के लिए 50 पर्सेंटाइल और आरक्षित वर्ग के लिए 40 पर्सेंटाइल को कम कर 50 से 7 पर्सेंटाइल और 40 से शून्य पर्सेंटाइल पर उच्च अध्ययन के लिए प्रवेश का निर्णय कर लिया है। सवाल सीधा सा यह है कि 18 हजार सीटें खाली रहना महत्वपूर्ण है या लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ का लाइसेंस देना महत्वपूर्ण। मेडिकल शिक्षा कोई सामान्य शिक्षा नहीं है और यह सीधे सीधे लोगों के स्वास्थ्य और जीवन से जुड़ा विषय है।

मेडिकल में उच्च अध्ययन के लिए पर्सेंटाइल की जो योग्यता निर्धारित की गई वह निश्चित रुप से उच्च अध्ययन के स्तर को बनाए रखने के लिए ही तय की गई होगी। अब केवल और केवल 18 हजार सीटे खाली रह जाने के कारण सात या शून्य पर्सेंटाइल वाले को भी प्रवेश देने का निर्णय किया जा रहा है तो फिर मेडिकल शिक्षा के माध्यम से हम किस तरह के नए विशेषज्ञ तैयार करने जा रहे हैं यह अपने आप में चिंता का कारण तो हो ही जाता है। इसके साथ ही उच्च स्तर पर मेडिकल शिक्षा के प्रति कितनी गंभीरता है यह साफ हो जाती है और तो और जब शून्य पर्सेंटाइल वालों को जो कि इसके लिए निर्धारित योग्यता से कोसों दूर हों उन्हें जीवन से खिलवाड़ करने का लाइसेंस देने का निर्णय किसी भी तरह से उचित नहीं ठहराया जा सकता। यह अवश्य संतोष की बात है कि फैडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन ने सरकार के इस निर्णय की खिलाफत करने की हिम्मत दिखाई है। इसमें कोई दो राय नहीं कि देश में मेडिकल सुविधाओं के विस्तार के लिए सरकार ने योजनावद्ध तरीके से काम किया है। देश में एम्स सहित सरकारी व निजी क्षेत्रों में मेडिकल शिक्षा संस्थानों और चिकित्सा संस्थानों का विस्तार किया गया है। देश में यदि मेडिकल क्षेत्र में पीजी की ही बात की जाए तो 80 हजार से अधिक सीटें हो गई है। अब इसे शिक्षा का गिरता स्तर माना जाएं या अन्य कारण कि पीजी की 80 हजार के लगभग में से 18 हजार के करीब सीटें खाली रह जाती है। इसका कारण अन्य कुछ नही होकर पीजी अध्ययन के इच्छुक युवा चिकित्सकों में से बड़ी संख्या में चिकित्सक सामान्य अहर्ता 50 व 40 पर्सेंटाइल की योग्यता ही पूरी नहीं कर पाते। मजे की बात यह है कि हालात यहां तक बिगड गए हैं या स्तर की गिरावट को इसी से समझा जा सकता है कि पीजी में प्रवेश के लिए जीरो पर्सेंटाइल तक पर एडमिशन का निर्णय करना पड रहा है। सरकार या संस्थानों ने इसके लिए शिक्षा के स्तर में सुधार की आवश्यकता के स्थान पर न्यूनतम योग्यता में कमी करने की बात करने लगे है। हद तो यह हो गई कि एक दो प्रतिशत की कमी होती तो फिर भी समझ में आता पर यहां तो 50 से सीधे 7 पर्सेंटाइल और 40 से सीधे शून्य पर्सेंटाइल पर प्रवेष का निर्णय किया गया है। कल्पनीय बात यह है कि यदि कोई आरक्षित वर्ग का है और उसने प्रवेश परीक्षा के समय केवल अपना नाम पता ही लिख कर आ गया होगा तो उसे प्रवेश मिल जाएगा। इसी तरह से सामान्य वर्ग का है और गलती से एक आध प्रश्न करके सात प्रतिशत पर्सेंटाइल ले आया होगा तो उसका प्रवेश हो जाएगा।

अब इससे समझा जा सकता है कि मेडिकल जैसे अध्ययन में किस तरह से गुणवत्ता और योग्य विशेषज्ञ तैयार करने के लिए सारी गुणवत्ता को ताक पर रखा जा रहा है। भारतीय चिकित्सा आयोग की सिफारिश के पीछे प्रमुख कारण 80 हजार में से 18 हजार सीटें खाली रह जाना है। अब सवाल यह है कि जिस आयोग की जिम्मेदारी ही गुणवत्तापूर्ण मेडिकल चिकित्सा सुनिश्चित करना हो वह गुणवत्ता से समझौता करने के लिए केवल इसलिए तैयार हो रहा है कि सरकार निजी मेडिकल कालेजों में 18 हजार सीटें खाली रहने से इन संस्थानों को आर्थिक हानि से गुजरना होगा। सवाल यह भी है कि 50 से सीधे 7 और 40 से सीधे 0 पर आने का मतलब साफ है कि सात और शून्य पर्सेंटाइल करने से ही यह सीटें भर सकेगी। सौ टके का सवाल यह है कि आयोग को चिकित्सा की गुणवत्ता की चिंता है या कालेजों की खाली रही सीटों को भरने की है। फिर तो प्रवेश परीक्षा आयोजित करने का भी कोई मायना नहीं रह जाता।

कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का लिया संकल्प

नव नियुक्त ब्लाक कार्यकारी अध्यक्ष भोपराज टांक ने पूर्व मंत्री उदयलाल आंजना से लिया आशीर्वाद

निंबाहेड़ा (हुक्मनामा समाचार)। निंबाहेड़ा ब्लाक कांग्रेस कमेटी के नव नियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष भोपराज टांक ने शनिवार को पेच एरिया परिसर स्थित कांग्रेस कार्यालय पहुंचकर राजस्थान सरकार के पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना से भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर टांक ने अपनी नियुक्ति हेतु पार्टी नेतृत्व एवं वरिष्ठ नेताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए संगठन को और अधिक सशक्त व सक्रिय बनाने का संकल्प दोहराया।

इस अवसर पर निंबाहेड़ा नगर पालिका के निवर्तमान अध्यक्ष सुभाष चन्द्र शारदा, क्रय-विक्रय सहकारी समिति अध्यक्ष गोपाल आंजना, नगर कांग्रेस कमेटी संगठन महासचिव रविप्रकाश सोनी,चित्तौड़गढ़ जिला फुटबॉल संघ के कोषाध्यक्ष मनोज पारख, विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष जसवंत सिंह आंजना, कांग्रेस विधि प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह सोलंकी, अरनिया जोशी मंडल कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आजाद बापू जाट, केली मंडल कांग्रेस अध्यक्ष पिंकेश जैन, जिला कांग्रेस कमेटी महासचिव मनोहर सिंह मीणा, सरस डेयरी डायरेक्टर शंकरलाल जाट, युवा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष बलवंत जाट, पूर्व सरपंच वेणीराम जाट, सीपी चारण, देवीलाल जाट, रामनारायण जाट, युवा कांग्रेस नगर अध्यक्ष रोमिल चौधरी, एनएसयूआई विधानसभा अध्यक्ष दीपक धाकड़, पार्षद ओम प्रकाश शर्मा, राजेश सांड, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष धीरज नगरिया, साजन सोनी, परमवीर सिंह, रतन गायरी, देव किशन अहीर, कालूराम गाडरी, जीतमल जाट (पटेल), हजारीलाल गाडरी, भगवती सिंह, तुलसीराम धाकड़, होराम गाडरी, शांतिलाल, कन्हैयालाल, मुन्नालाल आमेटा, उप सरपंच प्रमोद आमेटा, गुलाब जाट, कैलाश जाट, राधेश्याम अहीर, राजू आमेटा, हेमराज सालवी, सुरेश पटेल, सुरेश सालवी, कन्हैयालाल, सुरजमल रेगर, मोहनलाल, रामलाल, लोकेश जाट , दिनेश गायरी, विकाश गायरी, रोशन जाट, मनोज गायरी, बाबूसिंह राजपूत, कमलेश, भोपराज भील, देवीलाल गायरी, देवीलाल मेघवाल, शिवलाल अहीर, नारायण भील, सागर सोनी, राजेंद्र टांक, आशुतोष टांक कन्हैयालाल, सत्यनारायण, शोभालाल जाट, बाल किशन अहीर , सुरेश मीणा, शंकर बंजारा, रामसिंह पटेल, सुरेश कंजर सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन, जनप्रतिनिधि,अग्रिम संगठनों से जुड़े पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

भगवान श्री देवनारायण के 1114वें जन्मोत्सव पर तीन दिवसीय भव्य आयोजन

भीलवाड़ा (हुक्मनामा समाचार)। भगवान श्री देवनारायण के 1114वें जन्मोत्सव के पावन अवसर पर गाडरी (पूर्विया) समाज भीलवाड़ा एवं श्री देवनारायण सेवा समिति के तत्वावधान में तीन दिवसीय धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस क्रम में प्रथम कार्यक्रम के रूप में आज एक विशाल रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। रविवार 18 जनवरी 2026 को प्रात: 9:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक श्री चारभुजा नाथ मंदिर, बिलिया खुर्द, भीलवाड़ा में आयोजित इस रक्तदान शिविर में रामस्नेही ब्लड बैंक की टीम द्वारा कुल 198 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। शिविर में समाज के युवाओं, वरिष्ठजनों एवं महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर मानव सेवा का संदेश दिया। कार्यक्रम में श्री देवनारायण सेवा समिति के अध्यक्ष राधेश्याम गाडरी व संयोजक कैलाश गाडरी के नेतृत्व में समाज के वरिष्ठजन नारायण लाल गाडरी, छोगा लाल गाडरी, उदय लाल गाडरी, केशु लाल हाडा, शंकर लाल गाडरी, नारायण गाडरी सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। साथ ही विलिया, रामनगर, गांधीनगर, पांसल, किशनावतों की खेड़ी, मांडल, कोटड़ी, सायला सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए युवाओं ने बढ़-चढ़कर रक्तदान किया। महिला कार्यकर्ताओं यशोदा गाडरी व कमली देवी द्वारा रक्तदान कर महिलाओं का उत्साह भी बढ़ाया गया। जन्मोत्सव के तहत द्वितीय कार्यक्रम के रूप में भजन संध्या का आयोजन दिनांक 24 जनवरी 2026, शनिवार को सायं 7:15 बजे से श्री देवनारायण मंदिर, गाडरी खेड़ा, गांधीनगर, भीलवाड़ा में किया जाएगा। तृतीय एवं अंतिम कार्यक्रम के रूप में 25 जनवरी 2026, रविवार को प्रात: 10:00 बजे एक विशाल वाहन रैली का आयोजन किया जाएगा। यह रैली श्री देवनारायण मंदिर, गाडरी खेड़ा, गांधीनगर से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों व चौराहों से गुजरते हुए पुन: श्री देवनारायण मंदिर पर संपन्न होगी। श्री देवनारायण सेवा समिति के अध्यक्ष ने समस्त समाजजन एवं श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रमों को सफल बनाने की अपील की है।

पंच गौरव जिला स्तरीय बास्केटबाल खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न

भीलवाड़ा (हुक्मनामा समाचार)। द्वितीय पंच गौरव जिला स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता सुखाड़िया स्टेडियम पर बालक वर्ग (14 वर्ष तक आयु) में आयोजित की गई। प्रतियोगिता में जिले की आठ टीमों ने भाग लिया। अधिक जानकारी देते हुए जिला खेल अधिकारी हेमेंद्र सिंह राणावत में बताया कि इनमें से चार टीमें ग्रामीण क्षेत्र से एवं चार शहरी क्षेत्र से थी। राज्य सरकार की पंच गौरव योजना के अंतर्गत जिला प्रशासन के सौजन्य से जिला खेलकूद प्रशिक्षण केंद्र भीलवाड़ा द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने बड़े उत्साह से भाग लिया। भाग लेने वाली टीमों में शहरी क्षेत्र से सुखाड़िया स्टेडियम, नगर निगम मैदान, कावां खेड़ा मैदान एवं लेबर कॉलोनी मैदान की टीमें थी इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्र से करेड़ा, रायपुर, सरदार नगर, एवं दौलतगढ़ ने भाग लिया। इन सभी खेल मैदानों पर नियमित रूप से प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। पंच गौरव योजना के अंतर्गत अभी तक जिले के पांच खेल मैदानों पर प्रशिक्षकों की नियुक्ति की गई है। नियुक्त प्रशिक्षक दोनों समय चयनित खेल मैदानों पर प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। इन खेल मैदानों पर जिला खेलकूद प्रशिक्षण केंद्र द्वारा कुछ मात्रा में प्रशिक्षण सामग्री उपलब्ध करवाई जाएगी। योजना के

अंतर्गत प्रति माह एक जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा जिससे खिलाड़ियों को नियमित प्रतियोगिताओं का अनुभव मिल सके। प्रतिभावान खिलाड़ियों को पोषण एवं किट भी उपलब्ध करवाई जाएगी। योजना के अंतर्गत पूर्व में जिले के 55 उदीयमान खिलाड़ियों एवं ऑफिशियल्स का एक दल जयपुर में आयोजित हुए खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में सेमी फाइनल एवं फाइनल मैच देखने के लिए भ्रमण पर भेजा गया था। प्रतियोगिता का उद्घाटन विधायक अशोक कोठारी द्वारा किया गया। उन्होंने बास्केटबॉल खेल को जिले का बहु प्रचलित खेल बताते हुए इसमें नियमित प्रशिक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। खिलाड़ियों को नियमित रूप से खेल मैदान पर प्रैक्टिस करते रहने पर बल देते हुए उन्होंने बताया कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। खेल भावना ही आगे जीवन जीने का आधार है।प्रतियोगिता के समापन समारोह के मुख्य अतिथि जिला बास्केटबॉल संघ के सचिव प्यारेलाल खोईवाल रहे अध्यक्षता समाजसेवी एवं पूर्व अनुसूचित जाति मोर्चा के अध्यक्ष नंदकिशोर बैरवा ने की अजीत जैन विशिष्ट अतिथि रहे,जिन्होंने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किये। अतिथियों ने खिलाड़ियों की पूर्ण हौसला अफजाई करते हुए उन्हें निरंतर मेहनत करने हेतु प्रेरित किया।

भव्य हिन्दू सम्मेलन गरिमामय वातावरण में सम्पन्न

छीपाबड़ौद (हुक्मनामा समाचार)। कोटडा भगवान में आयोजित भव्य हिन्दू सम्मेलन अत्यन्त उत्साह, अनुशासन एवं सामाजिक समरसता के वातावरण में सम्पन्न हुआ। सम्मेलन का उद्देश्य सनातन संस्कृति के मूल्यों को सुदृढ़ करना तथा समाज में एकता और जागरूकता का संदेश देना रहा। सम्मेलन में

सुप्रसिद्ध कथावाचक भूपेन्द्र जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। आपने अपने ओजस्वी एवं भावपूर्ण कथावाचन से धर्म, संस्कृति और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध का संदेश देते हुए श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सुरेन्द्र नागर रहे। उन्होंने अपने प्रभावशाली उद्बोधन में हिन्दू समाज के संगठन, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए युवाओं से सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। सम्मेलन की रिकूं नागर ने अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि ऐसे सम्मेलन समाज को दिशा देने के साथ-साथ सांस्कृतिक चेतना को जागृत करते हैं। सम्मेलन में बड़ी संख्या लगभग 500में समाजबंधु, मातृशक्ति एवं युवा उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में भारत माता की आरती के साथ संयोजक बद्रीलाल जी द्वारा सभी अतिथियों तथा सम्मेलन की सफलता हेतु सभी का आभार व्यक्त किया गया।

आकाश इंस्टीट्यूट के रीजनल डायरेक्टर राजस्थान अखिलेश दीक्षित का सम्मान

कोटा शहर के शैक्षणिक वातावरण को सुदृढ़ बनाने की पहल की सराहना

कोटा (हुक्मनामा समाचार)। देशभर में शिक्षा नगरी के रूप में विख्यात कोटा शहर के शैक्षणिक वातावरण को निरंतर सुदृढ़ एवं जीवंत बनाए रखने में उल्लेखनीय योगदान देने वाले आकाश इंस्टीट्यूट के राजस्थान रीजनल डायरेक्टर अखिलेश दीक्षित को हाडोती गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। यह

सम्मान न्यू कोटा इंटरनेशनल सोसाइटी के तत्वावधान में उनके जयपुर से कोटा आगमन पर शनिवार को प्रदान किया गया। न्यू कोटा इंटरनेशनल सोसायटी के प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार सायंकाल जयपुर से कोटा आगमन पर हाडोती गौरव सम्मान आयोजन समिति सदस्यों द्वारा आकाश इंस्टीट्यूट के राजस्थान रीजनल डायरेक्टर अखिलेश दीक्षित का आत्मीय स्वागत किया गया। कोटा को शिक्षा की काशी के रूप में बनाए रखने के लिए सतत प्रयासरत रहकर कार्य करने, विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने तथा शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने हेतु उनके योगदान को देखते हुए यह सम्मान प्रदान किया गया। आयोजन समिति के संरक्षक परमानंद गोयल की अगुवाई में कार्यक्रम संयोजक के के शर्मा कमल, कार्यक्रम समन्वयक प्रतीक गोयल, मीडिया प्रभारी हर्षित शर्मा, राधेश्याम मित्तल सहित समिति के अन्य सदस्यों ने अखिलेश दीक्षित को शाल एवं दुपट्टा ओढ़ाकर , स्मृति चिन्ह भेंट कर तथा पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्यजनों ने कहा कि कोटा की शैक्षणिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने में आकाश इंस्टीट्यूट एवं उसके नेतृत्व की अहम भूमिका रही है।

खिलाड़ी मूलचंद तंवर को दी श्रदांजलि

डीडवाना(हुक्मनामा समाचार)। नगर के स्वर्गीय मूलचंद तंवर की 16 वी पुण्यतिथि 17 जनवरी शनिवार नीज निवास काटला बास डीडवाना मे मनाई गई राष्ट्रीय खिलाड़ी विनोद मारोठिया पार्षद सुरेश तंवर नें जानकारी देते हुए बताया इस अवसर पर शिवा स्पोर्ट्स सैनी स्पोर्ट्स क्लब के

खिलाड़ियों और परिजनों द्वारा स्वर्गीय मूलचंद तंवर के छायाचित्र पर श्रदा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी स्वर्गीय तंवर शूटिंग बॉल के एक प्रतिभावान खिलाड़ी थे साथ ही सामाजिक मिलनसार,हंसमुख सरल विशिष्ट व्यक्तित्व के धनी थे। उनका आकस्मिक निधन परिवारजनों और खेल जगत के लिए है।अपूरित क्षति है उनका शानदार आक्रामक खेल कौशल युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा था, युवा खिलाड़ी व साथी खिलाड़ी तंवर की हर पुण्यतिथि पर याद कर पुष्प अर्पित कर पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर मौन रख नमन करते हैं।श्रदांजलि सभा मे वरिष्ठ खिलाड़ी गोविन्द राम सांखला, पूर्व जिला शूटिंग बॉल सेकेट्री शिवकुमार शर्मा, रेखाराम सांखला, राधाकिशन तंवर,पार्षद सुरेश तंवर, विनोद मारोठिया,मनोहर तंवर,दिलीप तंवर, सुनील तंवर, राजेंद्र टाक, मुकेश तंवर, जगदीश , सुशील गौड, महावीर, भवानी सिंह सेवदड़ा, रमेश जांगिड़, मोहनलाल टाक , रतनलाल तंवर,वकील तंवर, रविंद्र तंवर, विजय तंवर सैंकड़ो युवा, वरिष्ठ खिलाड़ी मौजूद रहे।

पीएमश्री रा उ मा वि निंबाहेडा ने आर ए ए गतिविधि के तहत छात्र-छात्राओं को शैक्षिक भ्रमण करवाया गया

निम्बाहेडा (हुक्मनामा समाचार)। पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय निंबाहेड़ा द्वारा राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत स्थानीय विद्यालय के लगभग 14 0 छात्र-छात्राओं को उदयपुर में प्रताप गौरव केंद्र के दर्शन कराए गए जहां बच्चों ने भारत दर्शन में विभिन्न स्थापत्य कला मंदिर नागर शैली महाराणा प्रताप के शौर्य और वीरता की गाथाये पुराने हथियार एवं आविष्कारों की जानकारी से अवगत हुए साथ ही उदयपुर में भारतीय लोक कला मंडल में छात्र-छात्राएं भारत के विभिन्न राज्यों की वेशभूषा खानपान रहन सहन आदि को कठपुतली प्रदर्शन के माध्यम से भारत में बोली जाने वाली विभिन्न भाषाएं भारत के विभिन्न राज्यों की संस्कृति व आविष्कारों की जानकारी हासिल कर पाए वहीं से हल्दीघाटी में संग्रहालय के माध्यम से विभिन्न हथियारों व आविष्कारों की जानकारी दूरबीन सूक्ष्मदर्शी यंत्र पुरानी टोपे वहां की पीली मिट्टी व हल्दीघाटी युद्ध के समय उपयोग में लिए गए हथियारो की वैज्ञानिक खोज के बारे में जानकर पुरातत्व की जानकारी से

अवगत हो पाए पास में स्थित मोलेला गांव का विजिट भी छात्र छात्राओं को कराया गया वहां पर हस्तशिल्प की विभिन्न कलाओं के माध्यम से वहां की मूर्तिकला घरेलू उपयोग में आने वाले मिट्टी के विभिन्न संसाधनों से स्वरोजगार के बारे में जानकारी हासिल कर पाए पास में ही स्थित श्रीनाथजी भ्रमण कर विश्वास स्वरूपम की स्थापत्य कला की जानकारी भी छात्र छात्राओं ने वेक्स म्यूजियम में मॉम के बने हुए विभिन्न वैज्ञानिक उपकरणों के माध्यम से जानकारी से अवगत हो पाए प्रधानाचार्य मनोहरलाल जैन ने दोनों ही बसों को प्रात: 6:00 बजे विद्यालय से रवाना कर इस वैज्ञानिक भ्रमण की शुभकामनाएं दी गई।

इस आर ए ए की विजिट में उपप्राचार्य सुनील कुमारडूंगरवाल सुनीता रावत सुनीताशर्मा मीना राठौर पंकजगुप्ता प्रवीण कलवार अभिषेक गिरी गोस्वामी आदि ने दोनों ही बसों का नेतृत्व कर छात्र छात्राओं को बहुत ही महत्वपूर्ण एवं सारगर्भित वैज्ञानिक भ्रमण करवाया गया।

रानीगांव में विराट हिंदू सम्मेलन का भव्य आयोजन

छोटीखाटू (हुक्मनामा समाचार)। रानीगांव में रविवार को हिंदू समाज की एकता, संस्कृति एवं सनातन मूल्यों के संरक्षण के उद्देश्य से विराट हिंदू सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। सम्मेलन में आसपास के ग्रामों से बड़ी संख्या में हिंदू समाज के लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत प्रात: कलश यात्रा से हुई, जो करणी माता मंदिर से प्रारंभ होकर बाबा जी महाराज समाधि स्थल तक पहुंची। इसके पश्चात विधिवत पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। सम्मेलन में समाज के गणमान्य व्यक्तियों एवं संत-महात्माओं ने अपने विचार रखते हुए हिंदू समाज को संगठित रहने, अपनी संस्कृति और परंपराओं को बचाने का संदेश दिया। वक्ताओं ने युवाओं से नशामुक्ति, शिक्षा और सामाजिक समरसता पर विशेष ध्यान देने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान धार्मिक प्रवचनों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। आयोजन समिति द्वारा सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया गया तथा कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सहयोग करने वाले कार्यकर्ताओं की सराहना की गई।

बालाजी मंदिर परिसर में आयोजित हिंदू सम्मेलन

हर हिंदू संकट में हिंदू का साथ दे—यही हिंदू सम्मेलन का सार : समताराम महाराज

मदनगंज-किशनगढ़ (हुक्मनामा समाचार)। हर हिंदू को संकट के समय दूसरे हिंदू के साथ खड़े होकर अपनी एकता का परिचय देना चाहिए। मंदिर केवल उपासना स्थल ही नहीं, बल्कि पुरातन संस्कृति और ज्ञान के केंद्र रहे हैं, जिनकी पुन: स्थापना समय की आवश्यकता है। यह उद्गार रामस्नेही संप्रदाय के राष्ट्रीय संत समताराम जी महाराज ने रविवार को बजरंग कॉलोनी स्थित आव वाले बालाजी मंदिर परिसर में आयोजित हिंदू सम्मेलन में व्यक्त किए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित इस हिंदू सम्मेलन की शुरुआत रामदेव कॉलोनी स्थित रादेवजी मंदिर से शोभायात्रा एवं

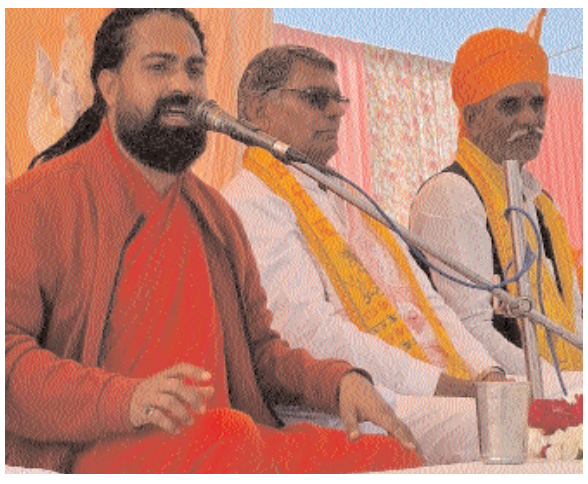

कलश यात्रा के साथ हुई, जो बजरंग कॉलोनी के मुख्य मार्ग से होते हुए आव वाले बालाजी मंदिर परिसर पहुंची, जहां यह धर्मसभा में परिवर्तित हो गई। धर्मसभा में संत समताराम जी महाराज ने आशीर्वचन देते हुए ओजस्वी उद्बोधन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक ने कहा कि सनातन संस्कृति सबको साथ जीना सिखाती है और सभी धर्मों का सम्मान करती है। इसी भावना की अपेक्षा अन्य धर्मों से भी की जानी चाहिए कि वे 'जियो और जीने दो' के सिद्धांत पर चलें। उन्होंने बांग्लादेश एवं पाकिस्तान में धर्म के नाम पर फैल रही नफरत और अराजकता का उल्लेख करते हुए उसके प्रतिकार की आवश्यकता पर भी जोर दिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेविका समिति की बहन मृदुला व्यास ने मातृशक्ति को संबोधित किया। उन्होंने महिलाओं को सनातन संस्कृति की धुरी बताते हुए कहा कि हिंदू संस्कृति में नारी का स्थान सदैव सम्मानित रहा है, किंतु आधुनिकता और सोशल मीडिया के प्रभाव से आज महिलाएं अपने मूल मार्ग से भटक रही हैं। उन्होंने आह्वान किया कि महिलाएं अपने बच्चों को सनातन धर्म, संस्कृति और गौरवशाली इतिहास से जोड़कर संस्कारित करें, ताकि समाज सशक्त बने। हिंदू सम्मेलन में 1111 महिलाएं सिर पर तुलसी गमले रखकर शोभायात्रा में शामिल हुईं, जबकि पुरुषों ने केसरिया पगड़ी धारण कर सनातन संस्कृति और एकता का संदेश दिया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं समाजजन उपस्थित रहे।

पोक्सो, एससी एसटी की धाराओं में दर्ज मुकदमे में आरोपित पर लगाए गंभीर आरोप

मांगलियावास (हुक्मनामा समाचार)। पीसांगन थाना क्षेत्र के एक गांव में दिसंबर 2025 के दौरान नाबालिक किशोरी के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में पुलिस द्वारा आरोपी को गिरफ्तार नहीं किए जाने सहित पीड़ित परिवार ने आरोपी पर कई गंभीर आरोप भी लगाएहैं। पीड़िता की मां ने बताया कि पीसांगन थाना क्षेत्र के नाथुथला निवासी शरीफ शेख ने उसकी नाबालिक किशोरी के साथ नशीला पदार्थ खिलाकर दुष्कर्म कर वीडियो वायरल करने की धमकी दी। लोक लाज की भय से उसने मुकदमा दर्ज नहीं करवाने की सूची लेकिन वीडियो वायरल होने की धमकी दिए जाने के बाद जनवरी 2026 के पहले सप्ताह में पीसांगन पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज करवाया गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर पीड़िता के मेडिकल करवा बयान दर्ज कर लिए। आरोपी को पुलिस ने अब तक गिरफ्तार नहीं किया वहीं आरोपी द्वारा अपने समर्थकों को कभी कैंपर में भरकर तो कभी मोटरसाइकिलों पर पीड़ित परिवार को धमकाने और दबाव बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

थांवला में विशाल हिन्दू सम्मेलन को लेकर भूमि पूजन हुआ सम्पन्न

थांवला (हुक्मनामा समाचार)। थांवला कस्बे के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय स्थित खेल मैदान में आगामी 25 जनवरी को आयोजित होने वाले विशाल हिन्दू सम्मेलन की तैयारियों का शुभारंभ रविवार को भूमि पूजन एवं झंडा रोहण के साथ विधिवत रूप से किया गया। इस अवसर पर पूरे क्षेत्र में

उत्साह और धार्मिक वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम में हिन्दू सम्मेलन समिति के पदाधिकारी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यकर्ता सहित थांवला क्षेत्र के विभिन्न जाति-वर्गों से जुड़े हिन्दू समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमि पूजन संपन्न हुआ, जिसके पश्चात खेल मैदान में भगवा ध्वज फहराया गया। इस अवसर पर समाज के वक्ताओं ने संयुक्त रूप से कहा कि यह विशाल हिन्दू सम्मेलन हिन्दू समाज की एकता, समरसता और संगठन शक्ति को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं और आने वाली पीढ़ी को सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ते हैं। कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थित लोगों ने क्षेत्र के प्रत्येक हिन्दू परिवार से 25 जनवरी को अधिक से अधिक संख्या में सम्मेलन में पहुंचने की अपील की। वक्ताओं ने कहा कि समाज की सहभागिता से ही यह सम्मेलन ऐतिहासिक और सफल बन सकेगा।

आस्था और राजनीति के केंद्र 'दीनदयाल उपाध्याय सर्किल' का इंतजार होगा खत्म

बाधाओं को चीरकर 15 दिन में स्थापित होगी प्रतिमा

डीडवाना,(हुक्मनामा समाचार)। शहर के हृदय स्थल कहे जाने वाले अस्पताल चौराहे पर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय सर्किल के पुनरुद्धार की प्रतीक्षा अब समाप्त होने वाली है। जुलाई 2024 से शुरू हुआ सौंदर्यीकरण का यह सफर अब अपने अंतिम पड़ाव पर है। हालांकि, इस दौरान यह सर्किल न केवल निर्माण की चुनौतियों बल्कि असामाजिक तत्वों की साजिशों और राजनीतिक इंतजार का भी गवाह बना। अब करीब 70 फीसदी कार्य पूरा होने के बाद प्रशासन और भाजपा संगठन ने इसके उद्घाटन की तैयारी तेज कर दी है। अस्पताल चौराहे पर पुराना सर्किल अपनी ऊंचाई कम होने की वजह से तकनीकी रूप से अनुपयोगी साबित हो रहा था। सड़क के बराबर स्तर होने के कारण मामूली बारिश में भी यहाँ भारी जल भराव की समस्या बनी रहती थी। डीडवाना के सौंदर्य को नया आयाम देने के लिए 28 जुलाई 2024 को इस सर्किल को नया और भव्य स्वरूप देने का निर्णय लिया गया। योजना यह थी कि यहाँ पंडित दीनदयाल उपाध्याय की एक नई और विशाल प्रतिमा स्थापित की जाए जो शहर की नई पहचान बने। साजिश और तोड़फोड़: जब आक्रोशित हुए कार्यकर्ता सर्किल के निर्माण के दौरान उस समय तनाव की स्थिति पैदा हो गई, जब अज्ञात असामाजिक तत्वों ने इसकी खूबसूरती पर हमला बोला।पहली घटना: 29-30 दिसंबर के बीच एक पत्थर की जाली तोड़ी गई।दूसरी बड़ी घटना: 5 जनवरी को उपद्रवियों ने हद पार करते हुए करीब 19 से अधिक कलात्मक जालियों को चकनाचूर कर दिया।इस घटना के बाद भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मौके पर पहुंचकर गहरा रोष जताया। कानून व्यवस्था पर सवाल उठे, जिसके बाद प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए यहाँ ष्टष्टञ्जङ्क कैमरों का जाल बिछा दिया है ताकि भविष्य में कोई भी इस सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान न पहुंचा सके। राजनीतिक गलियारों में हलचल: ष्टरूके दौरे का इंतजार सर्किल का कार्य पूर्ण होने की देरी पर चर्चा करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता जितेन्द्र सिंह जोधा ने बताया कि देरी के पीछे कुछ तकनीकी और धार्मिक कारण थे। जोधा ने कहा, 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी हमारे मार्गदर्शक और प्रेरणा स्रोत हैं। हम उनके सम्मान में कोई कमी नहीं छोड़ना चाहते। बीच में मलमास के कारण कार्य की गति प्रभावित हुई थी, लेकिन अब शुभ समय में कार्य पूर्ण होगा।उन्होंने आगे संकेत दिया कि पार्टी की मंशा है कि इस भव्य सर्किल का लोकार्पण मुख्यमंत्री या भाजपा के किसी बड़े केंद्रीय चेहरे के हाथों हो। यदि अगले माह मुख्यमंत्री का डीडवाना प्रवास तय होता है, तो यह आयोजन ऐतिहासिक होगा।

उच्च प्राथमिक विद्यालय अध्यापक सीधी भर्ती परीक्षा

उदयपुर। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आयोजित हो रही उच्च प्राथमिक विद्यालय अध्यापक सीधी भर्ती परीक्षा 2025 दूसरे दिन रविवार को भी शहर में शांतिपूर्ण रूप से संपन्न हुई। परीक्षा समन्वयक एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर दीपेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि रविवार को दो पारियों में परीक्षा आयोजित हुई। शहर में कुल 103 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे जहां सुबह की पारी प्रातः 10 से 12:30 तक विज्ञान-गणित विषय की परीक्षा आयोजित हुई। इसमें 77 परीक्षा केंद्रों पर कुल 23 हजार 663 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 21 हजार 610 अभ्यर्थियों परीक्षा दी, 2 हजार 53 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। इस प्रकार कुल 91.32 फ़ीसदी अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। इसी प्रकार दूसरी पारी में दोपहर 3 से 5:30 बजे तक सामाजिक विज्ञान विषय की परीक्षा आयोजित हुई।

थाना केसरियावाद कि कार्यवाही अवैध गांजा जब्त 13 किलो 560ग्राम

धरियावद,(हुक्मनामा समाचार)। जिला पुलिस कप्तान बी आदित्य के निर्देश पर जिला भर मे चलाया जा रहा ऑपरेशन चक्र व्यू के चलते धरियावद सी ओ सर्कल पुलिस उपअधीक्षक नाना लाल सालवी के मार्ग दर्शन पर थाना केशरियावद थानाधिकारी रमेश चंद्र मीणा को अवैध मादक प्रदार्थ कि सुचना मिली गेहूं कि खेती मे गाजा के पौधे लगा रखे अधिकारी के आदेश कि पालना मे स्टाप धर्मेंद्र सिंह महेश चंद्र जीतू पांडोर सतीश मय जाबता भनावता खेत पर पहुँचे जहाँ से अवैध रूप से फ़सल मे गाजा के पौधे जिसका वजन 13किलो 560ग्राम मोके से जब्त किया जानकारी अनुसार मोके से शंकर पिता देवा मीणा मोके से फरार हो गया पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया।

राष्ट्रीय पशुधन मिशन उद्यमिता कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य स्तरीय पशुपालक प्रशिक्षण शिविर संपन्न

उदयपुर,(हुक्मनामा समाचार)। राष्ट्रीय पशुधन मिशन उद्यमिता कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य स्तरीय पशुपालक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र, बड़गांव में पशुपालन विभाग द्वारा किया गया। इस प्रशिक्षण शिविर में जोधपुर, जयपुर, कोटा, बीकानेर, जैसलमेर, भरतपुर एवं उदयपुर संभाग से 150 से अधिक पशुपालकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उदयपुर सांसद डॉ. मन्नालाल रावत ने उपस्थित पशुपालकों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय पशुधन मिशन योजना से प्राप्त जानकारी को अपने तक सीमित न रखें, बल्कि अधिक से अधिक पशुपालकों तक पहुंचाएं, ताकि वे इस योजना का लाभ लेकर अपनी आय में वृद्धि कर सकें। उन्होंने पशुपालकों से इस योजना को आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अतिरिक्त निदेशक (क्षेत्र) डॉ. लक्ष्मी नारायण मीणा ने की। उन्होंने पशुपालकों को भेड़ पालन, बकरी पालन, मुर्गी पालन एवं चारागाह विकास कार्यक्रमों में अधिक से अधिक भागीदारी लेने की प्रेरणा देते हुए कहा कि इससे न केवल स्वरोजगार के अवसर सृजित होंगे, बल्कि अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध कराया जा सकेगा।

छीपाबड़ौद में विशाल हिंदू सम्मेलन आयोजित

छीपाबड़ौद,(हुक्मनामा समाचार)। संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष में सुभाष बस्ती जय अंबे कॉलोनी छीपाबड़ौद में विशाल हिंदू सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमे पंजाब कॉलोनी माताजी के मंदिर से कलश यात्रा ओर शोभा यात्रा व अखाड़ा शुरू किया गया सैकड़ों माता बहनों ने कलश लिया और झाकियां ओर अखाड़ा प्रदर्शन के साथ शोभा यात्रा व कलश यात्रा प्रारंभ हुई। मुख्य मार्ग में होती हुई थाने के पीछे जय अंबे कॉलोनी सुभाष बस्ती पहुंची जहां मंच कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमे मुख्य वक्ता प्रताप सिंह नागदा विश्व हिंदू परिषद चितौड़ प्रांत अध्यक्ष, चंदा नाथ संत, मातृशक्ति पूजा मीणा अध्यापिका अटरू ब्लॉक अध्यक्ष एवं जिला महामंत्री शिक्षक संघराष्ट्रीय ,अध्यक्ष धनराज गुजर रिटायर फौजी मंचासीन रहे कार्यक्रम का संचालन शिव जी योगी अध्यापक ने किया मंचासीन अतिथियों का सम्मान कार्यकम पालक कैलाश सुमन, संयोजक गणेश गुप्ता ,सहसंयोजक हरिमोहन चौरसिया, कमलेश सुमन ने दुपट्टा धारण करवाकर ओर लमलाला की तस्वीर भेट करके किया ओर भारत स्वच्छता मिशन से जुड़े महेंद्र खरारा अरविंद खरारा, गोविंद खरारा, राहुल खरारा चंदन खरारा का साफा बांधकर राम लला तस्वीर भेंट कर सम्मान किया। मुख्य वक्ता प्रताप सिंह ने संघ परिचय देकर हिंदुओं को एक होने का आवाह्न किया ओर अपनी हिंदू संस्कृति को बचाने का आवाह्न किया और कहा की यदि हिंदू समाज एक रहेगा तो कोई भी विधर्मी आकर अपनी विधर्मी गतिविधियां का संचालन नहीं कर सकता, मातृशक्ति से आवाह्न किया की कम से कम सप्ताह में एक दिन संपूर्ण परिवार के साथ बैठकर अपनी समस्याओ पर चर्चा करे और हर घर में से एक अग्निवीर देश सेवा हेतु सीमा पर भेजे साथ ही संत, ओर मातृशक्ति ने भी अपने विचार रखे अंत में कार्यक्रम के अध्यक्ष धनराज गुर्जर के द्वारा सभी का धन्यवाद व्यक्त किया।

मनरेगा बचाने सड़क पर उतरेगी कांग्रेस, शाहपुरा ब्लॉक में दो दिन आंदोलन

शाहपुरा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार मनरेगा बचाओ जन जागरण अभियान के अंतर्गत शाहपुरा ब्लॉक में मण्डल स्तर पर जन जागरूकता एवं आंदोलनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए ब्लॉक अध्यक्ष महावीर कुमावत ने बताया कि दिनांक 20 जनवरी को ढिकोला मण्डल, आमली कला मण्डल, बच्चखेड़ा मण्डल एवं फुलिया कला मण्डल में बैठकें आयोजित होंगी। इसी प्रकार दिनांक 21 जनवरी को कोठिया मण्डल, देवरिया मण्डल, बिलिया मण्डल एवं शाहपुरा नगर में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने शाहपुरा क्षेत्र के समस्त कांग्रेसजनों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में इन कार्यक्रमों में भाग लेकर आयोजन को सफल बनाएं तथा मनरेगा को कमजोर किए जाने के प्रयासों के खिलाफ जन-जागरूकता फैलाएं।

लेबोरेटरी टेक्नीशियन कर्मचारी संघ का जिला स्तरीय स्नेह मिलन संपन्न

पदोन्नत और नवनियुक्त साथियों का हुआ अभिनंदन संगठन की मजबूती पर दिया जोर

डीडवाना,(हुक्मनामा समाचार)। राजकीय बाँगड़ जिला चिकित्सालय के मीटिंग हॉल में अखिल राजस्थान लेबोरेटरी टेक्नीशियन कर्मचारी संघ का जिला स्तरीय स्नेह मिलन समारोह हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिले भर से आए लैब टेक्नीशियनों और सहायकों ने शिरकत कर अपनी एकता का परिचय दिया।समारोह का शुभारंभ माँ भारती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में पहुंचे अतिथियों धर्मवीरसिंह राठौड़ भीवाराम कुमावत कानाराम चौधरी भोलाराम चौधरी बालकिशन जांगिड़ बुधदेव शर्मा का संघ के सदस्यों द्वारा राजस्थानी परंपरा के अनुसार माला और साफा पहनाकर भव्य स्वागत व अभिनंदन किया गया।तकनीकी अधिकारी अमरीश माथुर ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य जिले के सभी साथियों को एक मंच पर लाना है। समारोह के दौरान जिले में नवनियुक्त हुए लैब टेक्नीशियन और सहायकों का स्वागत कर उन्हें विभाग की कार्यप्रणाली से परिचित कराया गया। हाल ही में पदोन्नत हुए साथियों का विशेष सम्मान किया गया और उनकी उपलब्धियों को सराहा गया।स्नेह मिलन के साथ-साथ यह सम्मेलन भविष्य की कार्ययोजनाओं के लिए भी महत्वपूर्ण रहा। माथुर ने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से सभी साथियों के बीच आपसी परिचय बढ़ा है और आगामी परिस्थितियों व तकनीकी चुनौतियों पर सामूहिक विचार-विमर्श किया गया है। वक्ताओं ने संगठन की मजबूती और कर्मचारियों के हितों के लिए एकजुट रहने का आह्वान किया।इस दौरान जिले भर के चिकित्सा संस्थानों से आए लैब टेक्नीशियन कर्मचारी और संघ के लोगों का गोपाल चौधरी अमरीश माथुर बिरमाराम मुरावतीया सुमन शेखावत असगर अली मजीद खान धनराज शीतल प्रसाद पंकज चौधरी रजनी लाडना कैलाश डोगीवाल ने सभी का स्वागत अभिनंदन किया।

कार्यालय ग्राम पंचायत शिवपुराघाटा
पंचायत समिति मसूदा ब्यावर

क्रमांक-ग्रा.पं./निविदा/2025-26/ दिनांक :-

ई-निविदा सूचना

ग्राम पंचायत शिवपुराघाटा वित्तिय वर्ष 2025-26 के लिए ई-निविदा निर्धारित प्रपत्र में निविदाएं वेब पोर्टल http:www.sppp.rajasthan.gov.in और http://www.rproc.rajasthan.gov.in पर विस्तृत विवरण देखा जा सकता है। निविदा खोलने की अन्तिम 02.02.2026 तक निविदा अपलोड कर सकते है, दिनांक 03.02.2026 को क्रय समिति द्वारा खोली जायेगी।

NIB NO :- ZRJ2526A1713 UBN NO :- ZRJ2526WSRC01851

प्रशासक ग्राम पंचायत शिवपुराघाटा
ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत शिवपुराघाटा

कार्यालय ग्राम पंचायत मानुपरा
पंचायत समिति मसूदा ब्यावर

क्रमांक-ग्रा.पं./MANPURA/निविदा/2025-26/ दिनांक :-

ई-निविदा सूचना

ग्राम पंचायत मानुपरा वित्तिय वर्ष 2025-26 के लिए ई-निविदा निर्धारित प्रपत्र में निविदाएं वेब पोर्टल http:www.sppp.rajasthan.gov.in और http://www.rproc.rajasthan.gov.in पर विस्तृत विवरण देखा जा सकता है। निविदा खोलने की अन्तिम 02.02.2026 तक निविदा अपलोड कर सकते है, दिनांक 03.02.2026 को क्रय समिति द्वारा खोली जायेगी।

NIB NO :- ZRJ2526A1711 UBN NO :- ZRJ2526WSRC01849

प्रशासक ग्राम पंचायत मानुपरा
ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत मानुपरा

राष्ट्रीय कला मंच एबीवीपी द्वारा यूथ कार्निवल 2 के 26 का भव्य आयोजन

भीलवाड़ा,(हुक्मनामा समाचार)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के आयाम राष्ट्रीय कला मंच द्वारा भीलवाड़ा महानगर में यूथ कार्निवल 2य26 का भव्य एवं आकर्षक आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम शनिवार को टाउन हॉल, भीलवाड़ा में संपन्न हुआ। आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को कक्षा-कक्ष से निकलकर मंच तक अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद दामोदर अग्रवाल रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद दामोदर अग्रवाल, प्रांत संगठन मंत्री वीरेंद्र सिंह शक्तावत एवं प्रांत कला मंच संयोजक प्रतिभा धाकड़ द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर अतिथियों ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के मंच युवाओं के सर्वांगीण विकास, नेतृत्व क्षमता एवं रचनात्मकता को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे आयोजन युवाओं को सकारात्मक दिशा देने के साथ-साथ भारतीय कला एवं संस्कृति से जोड़ने का कार्य करते हैं। यूथ कार्निवल 2य26 में युवाओं के लिए विविध प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें सिंगिंग, डांस, ओपन माइक, रैंप वॉक, फूड विदाउट फ्लेम, लीडर ऑफ टुमारो, निबंध लेखन, रील स्टार, साइंस फेयर, पोस्टर मेकिंग, डिबेट, हैंडीक्राफ्ट, मेहंदी, म्यूजिक एवं बीटबॉक्सिंग तथा ड्रामा शामिल रहे। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संदेश रहा, जिसमें युवाओं की खुशी, प्रतिभा एवं आपसी एकता को प्रमुखता दी गई। पूरे दिन आयोजन स्थल पर युवाओं का जोश, रंग-बिरंगी प्रस्तुतियाँ एवं सांस्कृतिक वातावरण आकर्षण का केंद्र बना रहा। अंत में राष्ट्रीय कला मंच के पदाधिकारियों ने अतिथियों, प्रतिभागियों एवं आयोजन से जुड़े सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के सफल समापन की घोषणा की।

तंत्र क्रिया का विरोध, बेटे पर कुल्हाड़ी से हमला

अजमेर। अजमेर के नसीराबाद सदर थाना क्षेत्र के ग्राम चाट सरदारपुरा में एक व्यक्ति ने अपने छोटे भाई और भतीजे के साथ मिलकर अपने ही पुत्र, पुत्री, दामाद और पत्नी के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। मारपीट में चारों लोग घायल हो गए। पुत्र ने अपने पिता, चाचा व चचेरे भाई के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। जिसमें पिता पर तांत्रिक क्रिया करने व विरोध करने पर जान से मारने का आरोप लगाया है। चाट सरदारपुरा निवासी मनोज कुमार ने रिपोर्ट दी कि शुक्रवार रात को उसकी बहन लीला उसके पिता नरसिंह को खाना खाने के लिए बुलाने के लिए घर के पीछे बनी झोपड़ी में गई थी। जहां पिता नरसिंह, चाचा ओमप्रकाश और चाचा का लड़का कमल तीनों शराब पार्टी कर के बैठे थे। बहन लीला पिता को बुलाने झोपड़ी में गई तो आरोपी पिता ने उसको खींचने की कोशिश की।

रावत समाज के कड़े फैसले, डीजे शराब, फिजूलखर्ची और सोशल मीडिया दुरुपयोग पर रोक

मांगलियावास,(हुक्मनामा समाचार)। राजस्थान रावत महासभा सर्कल सभा लामाना की आम बैठक सर्कल भवन में सर्कल अध्यक्ष लाल सिंह रावत की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में राजस्थान रावत महासभा पुष्कर द्वारा लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए उनके सख्त पालन पर सहमति बनाई गई। सर्कल के अंतर्गत आने वाले सभी गांवों के पंचगणों को समाजहित में लिए गए इन निर्णयों से अवगत कराया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रथम विवाह सहित अन्य सामाजिक आयोजनों में डीजे गाड़ी लाने व ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा, वहीं मृत्यु एवं मरगट से जुड़े कार्यक्रमों में कपड़े देने की परंपरा भी समाप्त की जाएगी। समाज के सभी सामाजिक कार्यक्रमों में शराब पीने व पिलाने पर रोक लगाने का फैसला किया गया। विवाह आयोजनों में दहेज की सीमा निर्धारित करते हुए दो तोला सोना और 750 ग्राम चांदी तय की गई। साथ ही युवाओं और महिलाओं द्वारा सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक वीडियो व रील डालने पर भी पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया। इसके अलावा समाज के बेटे की शादी पर समाज विकास के लिए 500 रुपये की विकास राशि जमा कराने का निर्णय लिया गया। समाज सुधार और कुरीतियों की रोकथाम को लेकर अन्य महत्वपूर्ण निर्णय भी सर्वसम्मति से लिए गए। सर्कल के सभी गांवों के पंच-पटेलों और समाज बंधुओं ने इन निर्णयों पर सहमति जताते हुए नियमों के उल्लंघन पर दोषी माने जाने का प्रावधान स्वीकार किया।

कार्यालय ग्राम पंचायत झाक
पंचायत समिति मसूदा ब्यावर

क्रमांक-ग्रा.पं./JHAK/निविदा/2025-26/ दिनांक :-

ई-निविदा सूचना

ग्राम पंचायत झाक वित्तिय वर्ष 2025-26 के लिए ई-निविदा निर्धारित प्रपत्र में निविदाएं वेब पोर्टल http:www.sppp.rajasthan.gov.in और http://www.rproc.rajasthan.gov.in पर विस्तृत विवरण देखा जा सकता है। निविदा खोलने की अन्तिम 02.02.2026 तक निविदा अपलोड कर सकते है, दिनांक 03.02.2026 को क्रय समिति द्वारा खोली जायेगी।

NIB NO :- ZRJ2526A1719 UBN NO :- ZRJ2526WSRC01857

प्रशासक ग्राम पंचायत झाक
ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत झाक

कार्यालय ग्राम पंचायत अंधेरीदेवरी
पंचायत समिति मसूदा ब्यावर

क्रमांक-ग्रा.पं./AND/निविदा/2025-26/ दिनांक :-

ई-निविदा सूचना

ग्राम पंचायत अंधेरीदेवरी वित्तिय वर्ष 2025-26 के लिए ई-निविदा निर्धारित प्रपत्र में निविदाएं वेब पोर्टल http:www.sppp.rajasthan.gov.in और http://www.rproc.rajasthan.gov.in पर विस्तृत विवरण देखा जा सकता है। निविदा खोलने की अन्तिम 02.02.2026 तक निविदा अपलोड कर सकते है, दिनांक 03.02.2026 को क्रय समिति द्वारा खोली जायेगी।

NIB NO :- ZRJ2526A1718 UBN NO :- ZRJ2526WSRC01856

प्रशासक ग्राम पंचायत अंधेरीदेवरी
ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत अंधेरीदेवरी

अजमेर की हाई सिक्योरिटी जेल से पांच और गिरफ्तार

अजमेर। अजमेर की हाई सिक्योरिटी जेल में तलाशी के दौरान बरामद हुए इलेक्ट्रॉनिक गैजेट के मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपी रोहित गोदारा व लॉरेंस गैंग से जुड़े हैं। पांचों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस तीन को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। सिविल लाइन थाना प्रभारी शंभूसिंह ने बताया- 11 दिसंबर को प्रशिक्षु आईपीएस अजय सिंह के नेतृत्व में पुलिस ने हाई सिक्योरिटी जेल में तलाशी अभियान चलाया था। इस दौरान एक वार्ड में बंद हार्डकोर बंदियों के पास से दो स्मार्ट वॉच, सिम सहित इलेक्ट्रॉनिक्स गैजेट्स मिले थे। इसके बाद सिविल लाइंस थाने में मामला दर्ज कराया गया था।

हाडोती कप फुटबॉल प्रतियोगिता 2026 का भव्य एवं ऐतिहासिक समापन

जय हिंद क्लब छबड़ा ने फुटबॉल क्लब लाखेरी को 3-2 से हराकर विजेता का खिताब जीता

बूंदी,(हुक्मनामा समाचार)। स्वर्गीय सेठ श्री लेखराज जैन की पुण्य स्मृति में आयोजित दो दिवसीय हाडोती कप फुटबॉल प्रतियोगिता 2026 का रविवार को सीनियर हायर सेकेंडरी स्कूल स्थित सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम में भव्य समापन हुआ। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में हाडोती संभाग के विभिन्न जिलों से आई नामी टीमों ने भाग लिया। समापन दिवस पर खेले गए सेमीफाइनल व फाइनल मुकाबलों ने दर्शकों को रोमांच से भर दिया। प्रतियोगिता के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में फुटबॉल क्लब लाखेरी और प्राइम किक क्लब कोटा के बीच जोरदार टक्कर देखने को मिली। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने पूरे दमखम के साथ खेलते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में आर्मी कोटा और जय हिंद क्लब छबड़ा के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। निर्धारित समय तक दोनों टीमें एक-एक गोल से बराबरी पर रहीं। इसके बाद हुए पेनल्टी शूटआउट में भी मुकाबला 4-4 से बराबर रहा। अंततः सडन डेथ में जय हिंद क्लब छबड़ा ने 2-1 से जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबला फुटबॉल क्लब लाखेरी और जय हिंद क्लब छबड़ा के बीच खेला गया जिसमें पेनल्टी शूटआउट से छबड़ा की टीम ने 3-2 से हाड़ौती कप जीत कर विजेता का खिताब अर्जित किया टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में लाखेरी के मोहित शर्मा रहे। मैच प्रारंभ होने से पूर्व अतिथियों द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर औपचारिक शुभारंभ किया गया। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने आक्रामक एवं अनुशासित खेल का प्रदर्शन किया। फाइनल मैच के दौरान मैदान पर हर पल रोमांच बना रहा और खेल प्रेमी तालियों की गड़गड़ाहट के साथ खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते नजर आए। समापन समारोह में बूंदी विधायक हरिमोहन शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे उन्होंने विजेता एवं उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों को ट्रॉफी व पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर उन्होंने आयोजन समिति की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं ग्रामीण एवं शहरी प्रतिभाओं को आगे लाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। ऐसे आयोजन युवाओं को नशे व कुरीतियों से दूर रखकर खेल और स्वास्थ्य की ओर प्रेरित करते हैं। खेल से न केवल शारीरिक विकास होता है बल्कि अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता भी विकसित होती है। जिला फुटबाल संघ के अध्यक्ष सत्येश शर्मा ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन आगे भी होते रहेंगे जिससे बूंदी में खेल प्रतिभाओं का निखार होगा बाहर से आए सभी खिलाड़ियों का उन्होंने बूंदी में स्वागत और अभिनंदन कर उन्हें आगे भी इस प्रकार के आयोजन में अपना सहयोग देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि हाडोती कप जैसी प्रतियोगिताएं क्षेत्र में फुटबॉल को नई पहचान दिलाने का कार्य कर रही हैं।

कार्यालय ग्राम पंचायत खरवा
पंचायत समिति मसूदा ब्यावर

क्रमांक-ग्रा.पं./KHARWA/निविदा/2025-26/ दिनांक :-

ई-निविदा सूचना

ग्राम पंचायत खरवा वित्तिय वर्ष 2025-26 के लिए ई-निविदा निर्धारित प्रपत्र में निविदाएं वेब पोर्टल http:www.sppp.rajasthan.gov.in और http://www.rproc.rajasthan.gov.in पर विस्तृत विवरण देखा जा सकता है। निविदा खोलने की अन्तिम 02.02.2026 तक निविदा अपलोड कर सकते है, दिनांक 03.02.2026 को क्रय समिति द्वारा खोली जायेगी।

NIB NO :- ZRJ2526A1721 UBN NO :- ZRJ2526WSRC01859

प्रशासक ग्राम पंचायत खरवा
ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत खरवा

बून्दी शहर के बाजार से दुकानों के ए.सी. कॉपर वायर व आउटर चोरी की वारदात का खुलासा

चोरी की वारदातों को अंजाम देने में मुख्य मास्टरमांइड सहित 3 आरोपी गिरफ्तार

आरोपियों से ए.सी. कॉपर वायर सहित वायर काटने के उपकरण बरामद

बूंदी (हुक्मनामा समाचार)। बून्दी शहर के बाजार में स्?थित दुकानों के ए.सी. कॉपर वायर व आउटर चोरी के मामले में बडा खुलासा करते हुये चोरी की घटनाओ की वारदातों को अंजाम देने में मुख्य मास्टरमाइंड आरोपी सूरज पंवार उर्फ चुण्डी सहित कुल 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर आरोपीगण से दुकानों के ए.सी. कॉपर वायर सहित वायर काटने के उपकरण बरामद बरामद करने में सफलता प्राप्त की। पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र कुमार मीणा ने बताया कि पिछले दिनों बून्दी शहर के बाजारों में स्थित दुकानों की छतों पर लगे ए.सी. कॉपर वायर व आउटर चोरी की घटना की वारदात के क्रम

मे अपराधियों की धरपकड हेतु थाना कोतवाली बून्दी के थानाधिकारी रमेशचन्द आर्य के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा प्रभावी कार्यवाही करते हुये मुख्य मास्टरमाइंड आरोपी सूरज पंवार उर्फ चुण्डी सहित 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक मीणा ने बताया कि बून्दी शहर हुई उक्त चोरी की घटनाओ में गिरफ्तारशुदा मुख्य मास्टर माइंड सूरज पंवार उर्फ चुण्डी व उसके साथी रवि बोयत उर्फ गोलू चडडा, सोनू डागर उर्फ सोनू कुमार उर्फ गुलाबा से पूछताछ के आधार पर तथ्य सामने आया कि वारदात करने हेतु आरोपी ग्रुप में हाथों में झाडू लेकर सफाई करने के बहाने बाजारों में निकलते थे तथा दुकानों के आस पास रहकर रैकी करके दुकानों के ए.सी. कॉपर वायर व आउटर के बारे में जानकारी प्राप्त करते थे। एक सदस्य को आवाजाही पर निगरानी रखने के लिये नीचे छोड कर दूसरे सदस्यों द्वारा दुकानों के उपर जाकर कॉपर वायर काटकर उनको कचरा बिनने के प्लास्टिक के कटटो में डालकर ले जाते थे, जिससे किसी को उन पर शक नही हो। इसके बाद कॉपर वायर के छोटे टुकडे करके कबाडियों को बेचते थे। आरोपियों के विरुद्ध पूर्व में वारदात करने हेतु मुकदमें दर्ज है। थानाधिकारी रमेश चन्द्र आर्य ने बताया कि टीम द्वारा संकलित साक्ष्यों के आधार पर पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुये बूंदी शहर के बाजार में स्थित दुकानों के ए.सी. कॉपर वायर व आउटर चोरी के मामले में बडा खुलासा करते हुये चोरी की घटनाओ को वारदातों को अंजाम देने में मुख्य मास्टरमाइंड आरोपी सूरज पंवार उर्फ चुण्डी सहित 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर ए.सी. कॉपर वायर सहित वायर काटने के उपकरण बरामद किया है। आरोपियों द्वारा चोरी के बाद कॉपर वायर को काटकर तथा आउटर को कबाडियों को बैचना सामने आया है। घटनाक्रम में चोरी का सामान कॉपर वायर व आउटर खरीदने वालों कबाडियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी है।

भारती वैष्णव प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त

भीलवाड़ा (हुक्मनामा समाचार)। ब्राह्मण समाज मातृशक्तियों की संस्था विप्र नारी शक्ति सेवा संस्था की संस्थापक प्रमिला कैलाश शर्मा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरी शर्मा एवं राष्ट्रीय प्रभारी शरद शर्मा ने चित्तौड़गढ़ निवासी भारती वैष्णव को संस्था की राजस्थान की प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया वहीं भारती वैष्णव के अध्यक्ष बनने पर प्रदेश भर में मातृशक्तियों ने खुशी व्यस्त की इस अवसर जयपुर से विश्वविख्यात ज्योतिषाचार्य डॉ महिमा चतुर्वेदी , दिल्ली से ब्राह्मण समाज अध्यक्षा सुनीता शर्मा, गुरुग्राम से स्वर्णलता शर्मा, अलवर ब्राह्मण समाज से व्याख्याता संगीता गौड़, पूर्व पार्षद अंजू शर्मा, भिवाड़ी से अध्यक्ष मधु शर्मा, लखनऊ से सुप्रिया रॉय आदि विप्र समाज की प्रतिष्ठित मातृशक्तियों ने खुशी व्यक्त की

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा के हुआ विस्तार

बूंदी (हुक्मनामा समाचार)। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष एडवोकेट नूपुर मालव ने अपनी कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए जिले में महिला मोर्चा की टीम और मजबूती प्रदान करते हुए के तहत नई नियुक्तियां की हैं। जिला उपाध्यक्ष आशा सैनी नैनवा , पूजा साहू नैनवां शहर मंडल संयोजक , संतोष नैनवां जिला , गीता मालव रोटेदा , चन्द्रकला माली के.पाटन, अन्तिमा नामा रौटेदा, सुनिता गोस्वामी नौताड़ा , मिनाक्षी चमावली पूनम बून्दी , मधु राठौड़ देहीखेड़ा को जिला कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किया है ।

माहेश्वरी महिला संगठन की कार्यकारिणी बैठक 'अभया' संपन्न

बूंदी (हुक्मनामा समाचार)। पूर्वी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की कोटा में संपन्न हुई पंचम बैठक' अभया में बूंदी से 16 बहने शामिल हुई । कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय निवर्तमान अध्यक्ष आशा माहेश्वरी ने भगवान महेश के सामने दीप प्रज्वलन करके की। जिलाध्यक्ष संगीता मूंदड़ा व सचिव शिल्पा सोमानी ने बताया कि कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष मंजू भराड़ीया , महामंत्री नीलम तापड़िया, कोषाध्यक्ष किरण लखोटिया ,प्रदेश उपाध्यक्ष उर्मिला नुवाल , प्रदेश सह सचिव अनीता लाठी , लक्ष्मी तोतला , कविता झवर , भगवती समदानी , लीला सोमानी , शर्मिला सोमानी , मंजूला सोमानी , रेखा कहलिया मौजूद रही। रामायण पर आधारित नारी पात्र के एकल अभिनय में बूंदी से मधु हल्दिया ने मंदोदरी का पात्र निभाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। संगीता सोमानी ने शबरी का अभिनय किया।बैठक में संगठन से जुड़ी जानकारी को जानने के लिए आपकी अदालत कार्यक्रम भी आयोजित हुआ जिसमें जिलाध्यक्ष संगीता मूंदड़ा ,सचिव शिल्पा सोमानी, जिला कोषाध्यक्ष मधु बहेडिया व पुष्पा बिरला ने भाग लिया ।

नहर में मिला बुजुर्ग व्यक्ति का शव इलाके में फैली सनसनी

धरियावद (हुक्मनामा समाचार)। थाना क्षेत्र मुनिया रोड आबकारी थाना के पीछे नाथू लाल चौधरी के घर के पास बनी नहर में रविवार सुबह एक बुजुर्ग व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया।

स्थानीय लोगों ने नहर में शव तैरता देख तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नहर से बाहर निकलवाया। प्रारंभिक जांच में मृतक की उम्र लगभग 70 वर्ष बताई जा रही है।

शव की पहचान धोलिया गांव मे रहने वाले रामा पिता मनिया ने करते हुवे थाना हाजा धरियावद मे थानाधिकारी सी आई हजारी लाल मीणा के समक्ष पेश कि गईं जिसमे बताया गया कि मनिया पिता खेमा मीणा दिमाग़ से डिस्टर्ब होने पर उपचार चल रहा था जो घर से बिना बताये चार से पांच रोज पूर्व सोमवार को कही निकल गया जिसकी काफ़ी तलाश पर

नहीं मिलने पर आज़ रविवार को एक शव नहर मे मिला जिसकी पहचान फरियादि रामा मीणा उम्र 40साल ने पहचान कि फरियादि कि रिपोट सी आई हजारी लाल के सज्ञान मे आते ही उनके आदेश कि पालना मे ए एस आई शिव लाल कानि कमपिटर ऑपरेटर विकास मय जब्ता ने राहगीरों कि सहायता से शव को नहर से निकलवाकर धरियावद अस्पताल लाया गया जहाँ शव को मोर्चेरी मे रखवाकर परिजनों मोतबीरानो कि मौजूदगी मे पुलिस ने शव को पोस्टमार्ट करवाकर शव को अंतिम दाह संस्कार हेतु परिजनों के सिपरुद कर अनुसंधान शुरू किया इस अवसर पर सरपंच राजकुमार मीणा गांव के गड्डे वागजी भाई गोविन्द सुरेश सहित उपस्थित रहे

हिंदू सम्मेलन' में दिखा समाज का अभूतपूर्व संगम

संगठित हिंदू, समर्थ भारत के संकल्प के साथ संपन्न हुआ ऐतिहासिक कार्यक्रम

डीडवाना (हुक्मनामा समाचार)। संगठित हिंदू, समर्थ भारत' के ध्येय वाक्य के साथ रविवार को डीडवाना जिले में आयोजित 'हिंदू सम्मेलन' ने एकता का नया इतिहास रच दिया। जिले के हर खंड, बस्ती और मंडल से हजारों की संख्या में जुटे हिंदू समाज के लोगों ने अपनी एकजुटता का परिचय दिया। कार्यक्रम के दौरान डीडवाना की सड़कें भगवा रंग में रंगी नजर आईं और चारों ओर जयघोष की गूंज सुनाई दी। भव्य कलश यात्रा और पुष्प वर्षासम्मेलन का शुभारंभ शक्ति और भक्ति के संगम के साथ हुआ। बड़ी संख्या में महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में भव्य कलश यात्रा निकाली। शहर के मुख्य मार्गों से गुजरती इस यात्रा का जगह-जगह धर्मप्रेमियों द्वारा पुष्प वर्षा कर जोरदार स्वागत किया गया। कलश यात्रा अपने निर्धारित स्थान से रवाना होकर गंतव्य तक पहुँची, जहाँ वह एक धर्मसभा में तब्दील हो गई। बाइक रैली और जनसंपर्क का असर युवाओं के उत्साह ने सम्मेलन में नई ऊर्जा फूंक दी। विशाल बाइक रैली के माध्यम से युवाओं ने हिंदू समाज की शक्ति का प्रदर्शन किया। आयोजन समिति ने इस दिन के लिए महीनों से तैयारियां तेज कर रखी थीं। लाडनूं, कुचामन, नावां, मकराना और परबतसर खंड के गांवों सहित डीडवाना शहर की विभिन्न बस्तियों जैसे अंबेडकर बस्ती, ज्योतिबा बस्ती और श्याम बाबा बस्ती में विशेष टोलियों ने घर-घर जाकर निमंत्रण दिया था, जिसका परिणाम आज भारी भीड़ के रूप में देखने को मिला। रंगोलियों से सजा शहर महिला शक्ति ने न केवल कलश यात्रा में भागीदारी निभाई, बल्कि विभिन्न चौक-चौराहों और आयोजन स्थलों पर आकर्षक रंगोलियाँ बनाकर अपनी कला और संस्कृति का प्रदर्शन किया।

सेवा हमारा शौक एवं अभ्यास मात्र नहीं, वरन संस्कार है:डॉ.चारण

डीडवाना (हुक्मनामा समाचार)। भारत विकास परिषद् डीडवाना की कार्यकारिणी बैठक रविवार को आयोजित की गई। शाखा मीडिया प्रभारी लोकेश अग्रवाल ने बताया कि बैठक क्षेत्रीय मंत्री विनोद सेन के मार्गदर्शन में तथा शाखाध्यक्ष डॉ. गजादान चारण की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक का श्रीगणेश राष्ट्रगीत वन्देमातरम् के सामूहिक गान से हुआ। इस दौरान क्षेत्रीय मंत्री विनोद सेन ने डीडवाना शाखा को उत्कृष्ट कार्यों के लिए बधाई देते हुए कहा कि विगत वर्ष शाखा ने परिषद की सभी गतिविधियों में श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। उन्होंने बताया कि परिषद द्वारा

संचालित शीतल जल प्रकल्प एवं चिकित्सा उपकरण प्रकल्प को क्षेत्रीय स्तर पर सराहनीय मानते हुए परिषद की स्मारिका में स्थान दिया गया है, जो डीडवाना शाखा के लिए गौरव का विषय है। अध्यक्षीय उद्बोधन में शाखाध्यक्ष डॉ. गजादान चारण ने कहा कि परिषद केवल चुने हुए पदाधिकारियों से नहीं, बल्कि प्रत्येक सदस्य के सक्रिय, सकारात्मक एवं समर्पित सहयोग से चलती है। उन्होंने कहा कि सेवा न तो हमारा शौक है और न ही मात्र अभ्यास, बल्कि यह हमारा संस्कार है, जिसे सतत रूप से करते रहने में आत्मिक संतोष एवं सामाजिक सार्थकता की अनुभूति होती है।बैठक में परिषद की वर्षभर में सम्पन्न गतिविधियों की समीक्षा की गई। शाखा सचिव सुरेन्द्र सोनी ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि भारत विकास परिषद डीडवाना शाखा ने प्रखर युवा प्रतियोगिता में प्रान्त स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। साथ ही परिषद द्वारा सेवा, संस्कार एवं सामाजिक सरोकार से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का निरंतर सफल संचालन किया गया। शाखा के वित्तसचिव बालमुकुंद बगड़िया ने परिषद का वार्षिक वित्तीय लेखा-जोखा प्रस्तुत किया जिसे सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। बैठक में महावीर सिंह चौहान, रामगोपाल बंजारा, हंसराज सोनी, उपस्थित रहे।

गोवर्धन पूजा व छप्पन भोग की भव्य प्रस्तुति के साथ श्रीमद् भागवत कथा का पांचवां दिवस संपन्न

कोटा (हुक्मनामा समाचार)। जवाहर नगर स्थित श्री राम मंदिर में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिवस का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर श्री व्यास जी महाराज श्री शिवदास जी महाराज ने श्रद्धालुओं को गोवर्धन पूजा का दिव्य महत्व समझाया तथा बाल कन्हैया के छप्पन भोगों की मनोहारी प्रस्तुति से भक्तों को भावविभोर कर दिया।आज की पूजा के मुख्य जजमान नरेंद्र शर्मा एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मनीषा शर्मा रहे। छप्पन भोग का विशेष प्रसाद जवाहर नगर निवासी केशव पिपलानी द्वारा अर्पित किया गया, वहीं क्षेत्रवासियों की ओर से भी श्रद्धापूर्वक 56 भोग का सामूहिक अर्पण किया गया।

बिनोता खाकल देव कमेटी को दान पात्र अन्य स्त्रोत से 180957 प्राप्त हुवे

निम्बाहेडा (हुक्मनामा समाचार)। कस्बे के प्रसिद्ध खाकल देव मंदिर का मासिक दान पात्र खाकल देव विकास समिति के अध्यक्ष गजराज सिंह शक्तावत की उपस्थिति में रविवार अमावस्या तिथि को खोला गया। कमेटी के सचिव अनिल शर्मा ने बताया कि रविवार सुबह साढ़े आठ बजे बाद मंदिर के पुजारी द्वारा सभी प्रतिमाओं का श्रृंगार के सामूहिक आर्टिबकी गए आरती के दौरान बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित थे आरती के पश्चात दान पत्र से राशि निकाली गई कार्यकारिणी के सदस्यों एवं ग्राम वासियों की उपस्थिति में राशि की गणना की गई कमेटी के सदस्य गोपाल तिवारी डॉक्टर हीरा लाल लुहार ने बताया कि दानपात्र एवं अन्य स्त्रोत से कमेटी को 180957 रुपए नगद प्राप्त हुवे जिसमें 169227 दानपात्र 11730 रुपए धर्मशाला से आय के रूप प्राप्त हुवे साथ ही 108 ग्राम चांदी के आभूषण भी प्राप्त हुवे ।

पंचवटी में एक फरवरी को विराट हिंदू सम्मेलन तैयारियां जोरों पर सामाजिक एकता का सशक्त संदेश

भीलवाड़ा (हुक्मनामा समाचार)। शहर के पंचवटी में सशक्त, संगठित एवं जागृत हिंदू राष्ट्र के संकल्प को साकार करने की दिशा में आगामी 01 फरवरी 2026, रविवार को आयोजित होने वाले विराट हिंदू सम्मेलन को लेकर क्षेत्र में उत्साह और ऊर्जा का वातावरण बना हुआ है। इसी क्रम में 18 जनवरी 2026, रविवार को होलिका चौराहा, पंचवटी में सम्मेलन की तैयारियों एवं उद्देश्य को लेकर एक महत्वपूर्ण आयोजन संपन्न हुआ।इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि इस विराट हिंदू सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य हिंदू समाज को संगठित करना, सामाजिक एकता को सुदृढ़ करना तथा राष्ट्रसेवा की भावना को जन-जन तक पहुंचाना है। कई गणमान्य व्यक्तियों ने अपने संबोधन में स्पष्ट किया कि ऐसे आयोजनों से समाज में एकजुटता का संदेश जाता है और हिंदू समाज को एक मंच पर आने का अवसर मिलता है।

इस पावन अवसर पर हिंदू समाज के संगठनात्मक कार्यालय के भव्य शुभारंभ की गई। वक्ताओं ने कहा कि यह कार्यालय भविष्य में सामाजिक गतिविधियों, सेवा कार्यों एवं राष्ट्रहित से जुड़े अभियानों का केंद्र बनेगा और समाज को नई दिशा प्रदान करेगा।कार्यक्रम में समिति अध्यक्ष कश्मीर की भट्ट ने अपने संबोधन में कहा कि यह सम्मेलन केवल स्थानीय स्तर का आयोजन नहीं है,

बल्कि इसका प्रभाव पूरे राजस्थान में देखने को मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस विराट आयोजन को भावनात्मक, वैचारिक एवं विविध स्वरूपों में सफल बनाने के लिए सभी कार्यकर्ता कटिबद्ध हैं और यह सम्मेलन राजस्थान में एक 'मिसाइल की तरह प्रभावी संदेश' देगा।वहीं विशाल हिंदू सम्मेलन के संयोजक नवीन जीनगर ने

आयोजन की रूपरेखा बताते हुए कहा कि समाज के हर वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है, ताकि यह सम्मेलन ऐतिहासिक और प्रेरणादायक बन सके। कोषाध्यक्ष अभिषेक चंडालिया ने आर्थिक एवं व्यवस्थागत तैयारियों की जानकारी देते हुए सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

आध्यात्मिक विभूति अजातशत्रु पन्नालाल नागर के जन्म शताब्दी वर्ष पर विभिन्न कार्यक्रम होंगे

बांसवाड़ा (हुक्मनामा समाचार)। सनातन धर्म के संरक्षण एवं परम्पराओं के संवर्धन में दशकों तक समर्पित रहे धर्म-अध्यात्म चिन्तक, वागड़ गौरव एवं बांसवाड़ा जिले के सर्वप्रथम चार्टर्ड अकाउंटेंट स्व. पन्नालाल नागर के जन्म शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत इस वर्ष गौरीदेवी परमार्थ ट्रस्ट बांसवाड़ा की ओर से साल भर व्याख्यान माला, कथा-सत्संग और धार्मिक अनुष्ठानों सहित विभिन्न आयोजन किए जाएंगे।यह जानकारी रविवार को श्री पीताम्बरा आश्रम में गौरी देवी परमार्थ ट्रस्ट की बैठक में दी गई। इस अवसर पर भारतीय विद्या मन्दिर के अध्यक्ष एवं सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर तथा गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बांसवाड़ा के पूर्व कुलगुरु प्रो. आई.वी. त्रिवेदी ने जन्म शताब्दी वर्ष संबंधित पोस्टर का विमोचन किया।वर्ष भर अनेक आयोजन प्रस्तावितबैठक में ट्रस्ट के अध्यक्ष मधुसूदन नागर ने बताया कि वर्षों तक विश्व हिन्दू परिषद के जिलाध्यक्ष पद पर रहे स्व. पन्नालाल नागर जी ने भागवत समिति सहित दो दर्जन से अधिक संस्थाओं के माध्यम से बांसवाड़ा जिले में सैकड़ों रचनात्मक एवं विराट आयोजनों के माध्यम से कई दशकों तक धार्मिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक चेतना विस्तार में अपना जीवन समर्पित कर दिया।

किसानों और मजदूरों के बच्चे पढ़-लिखकर बन रहे डॉक्टर और इंजीनियर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में संवर रही नौनिहालों की किस्मत

डबल इंजन सरकार के एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल जनजाति अंचल में लिख रहे सुनहरे भविष्य की नई गाथा

उदयपुर/जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य के सुदूर जनजाति अंचलों में एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल (ईएमआरएस) शिक्षा, समरसता और सामाजिक सुरक्षा के क्षितिज पर सूरज की तरह चमक रहे हैं। राज्य के 31 एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूलों में अनुसूचित जनजाति वर्ग के बच्चे नीट, आईआईटी, जेईई जैसी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। वहीं, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, कंप्यूटर लैब, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी जैसे नवाचार जनजातीय बालक-बालिकाओं के सपनों में नए रंग भर रहे हैं। ईएमआरएस में पढ़ रहे 11 हजार 619 अनुसूचित जनजाति वर्ग के छात्र-छात्राओं की प्रतिभा की रोशनी से जनजाति क्षेत्रों में हजारों घर-परिवार भी उम्मीदों से रोशन हैं। इनमें 6 हजार 710 बालक और 4 हजार 909 बालिकाएं शामिल हैं। अभावों में अपने बच्चों के भविष्य को लेकर आशंकित माता-पिता की आंखों में नौनिहालों के सुनहरे भविष्य की चमक और चेहरे पर आत्मविश्वास की झलक साफ देखी जा सकती है। राज्य के ईएमआरएस में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सुरक्षित भविष्य की गारंटी का असर है कि सत्र 2024-25 में 9 हजार 999 बच्चों के मुकाबले शैक्षणिक सत्र 2025-26 में 1 हजार 620 अधिक विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। प्रवेश परीक्षा में बैठने वाले बच्चों की संख्या भी साल दर साल बढ़ी है।

शिक्षा के साथ आवास, भोजन और किताबें भी निःशुल्क

राजस्थान स्टेट एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल सोसायटी द्वारा राज्य में संचालित सीबीएसई से संबद्ध 31 एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल विद्यालयों में से नवीनतम 31वां विद्यालय जमवारामगढ़ (जयपुर) में जून 2025 से प्रारंभ किया गया है। सभी ईएमआरएस विद्यालयों में कक्षा 6 से 12 तक कक्षाएं संचालित होती हैं। कक्षा 11 एवं 12 में विज्ञान और कला संकाय उपलब्ध हैं। विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा, पाठ्यपुस्तकें, आवास, भोजन, पौष्टिक आहार, जूते-मौजे सहित दैनिक उपयोग की सामग्री उपलब्ध करवाई जाती है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एंड वर्चुअल रिएलिटी, इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर, ब्यूटी एंड वेलनेस, एग्रीकल्चर तथा ऑटोमोटिव स्किल लैब्स में इन विद्यालयों में संचालित की जा रही हैं। इन विद्यालयों में शिक्षा के साथ-साथ खेल-कूद और सह-शैक्षिक गतिविधियों पर भी पूरा ध्यान दिया जाता है। शैक्षणिक सत्र 2025-26 में राज्य स्तरीय स्टेट स्पोर्ट्स मीट-2025 उदयपुर में से चयनित 154 विद्यार्थियों ने ओडिशा के राउरकेला में आयोजित नेशनल स्पोर्ट्स मीट-2025 में राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए 9 इवेंट्स में पदक अर्जित किए। वहीं, राज्य स्तरीय सांस्कृतिक एवं साहित्यिक फेस्ट-2025 उदयपुर में से चयनित 59 विद्यार्थियों ने उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के सांस्कृतिक एवं साहित्यिक फेस्ट-2025 में भाग लिया।

ईएमआरएस से एमबीबीएस तक का सफर सवाईमाधोपुर जिले में बामनवास तहसील के बरनाला के पास एक गांव की रहने वाली राजकुमारी मीना के किसान पिता का सपना था कि उनकी बेटी बड़ी होकर डॉक्टर बने। राजकुमारी ने बताया कि उनके गांव में बायोलॉजी नहीं थी। सरकारी स्कूल से दसवीं में 93 फीसदी से उत्तीर्ण होने के बाद ईएमआरएस प्रवेश परीक्षा दी और ईएमआरएस बरनाला में उनको प्रवेश मिल गया। आज वे गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, भावनगर में एमबीबीएस सैकंड ईयर की छात्रा हैं। राजकुमारी ने बताया कि हर कोई प्राइवेट स्कूल में नहीं पढ़ सकता और न ही महंगी कोचिंग कर सकता। एमबीबीएस के बाद वे एमडी मेडिसिन करना चाहती हैं। राजकुमारी का छोटा भाई भी ईएमआरएस में पढ़ रहा है।

इसी तरह ईएमआरएस बिहारीपुरा, जयपुर के छात्र अनिकेश मीना पश्चिम बंगाल के चौबीस परगना जिले में डायमंड हार्बर गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस कर रहे हैं। अनिकेश ने बताया कि वे करौली के नादौती के पास एक गांव के रहने वाले हैं। पिताजी किसान हैं। ईएमआरएस में छठी कक्षा में प्रवेश लेने के बाद से उनकी जिंदगी बदल गई। ईएमआरएस की बदौलत ही उन्हें नीट परीक्षा में सफलता मिली। अनिकेश कार्डियोलॉजिस्ट बनना चाहते हैं।

पिता गुजरात में हमाली करते हैं, बेटा पढ़ रहा डॉक्टरी

जयपुर के बस्सी के पास के किशनपुरा गांव के रहने वाले मोहनलाल मीना के पिता गुजरात के सिद्धपुर में ईसबगोल की बोरियां उठाते हैं। मोहन ने बताया कि उन्होंने छठी कक्षा में ईएमआरएस में दाखिला लिया। ईएमआरएस में शिक्षकों ने ही उन्होंने बताया कि डॉक्टर कैसे बन सकते हैं। ईएमआरएस में रहकर ही नीट की तैयारी की और आज वे पंजाब के फरीदकोट में गुरु गोबिंद सिंह मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस कर रहे हैं। मोहन एमबीबीएस के बाद जनरल फिजिशियन बनना चाहते हैं।

जेईई और नीट की तैयारी के लिए विशेष व्यवस्था

एकलव्य विद्यालयों में बच्चों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ करियर मार्गदर्शन देकर भविष्य के लिए सही दिशा भी दिखाई जाती है। इन विद्यालयों में कक्षा 9 से 11 तक अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए इनेबल कार्यक्रम के अंतर्गत टाटा मोटर्स के सहयोग से आईआईटी-जेईई और नीट की तैयारी के लिए प्रतिदिन ऑनलाइन कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। दक्षणा कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित नेशनल लेवल परीक्षा में चयनित 12 विद्यार्थियों को भोपाल (मध्यप्रदेश) में आईआईटी, जेईई और नीट की विशेष कोचिंग दी जा रही है। ईएमआरएस बिहारीपुरा, जयपुर के छात्र मोहनलाल मीना, अनिकेश मीना और ईएमआरएस बरनाला, सवाईमाधोपुर की छात्रा राजकुमारी मीना ने नेशनल एलीजिबिलिटी कम एंट्रेस टेस्ट (नीट) परीक्षा में चयनित होकर राजकीय आयुर्विज्ञान महाविद्यालयों से एमबीबीएस कर रहे हैं।

जयकारो के लिए नहीं विपक्ष, जनता के मुद्दों को उठाना प्राथमिकता- नेता प्रतिपक्ष जूली

अलवर (हुक्मनामा समाचार)। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने रविवार को अलवर में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा की जय कारों के लिए नहीं बल्कि जनता के मुद्दों को उठाना विपक्ष की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार बजट पास कराकर फिर छूमंतर हो जाएगी लेकिन मजबूत विपक्ष के रूप में हम ऐसा नहीं होने देंगे, हम जनहित के मुद्दों पर सड़क से सदन तक की लड़ाई लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के इशारे पर चल रही राजस्थान सरकार जनता के हितों पर कुठाराघात कर रही है। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर सीधे आरोप लगाते हुए कहा कि स्ट्रक्र के नाम पर लोकतंत्र की हत्या की जा रही है। दिल्ली में बैठे ट्रेनर राजस्थान में मजदूर, गरीब लोगों के वोट काटने के नाम पर करंट लगाकर उनकी हत्या करने पर आमदा है। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सीधे तौर पर कहा कि जहां कांग्रेस पार्टी का दबदबा है वहां एसआईआर के नाम पर भाजपा की नियति और नियत दोनों ही गलत साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस समर्थित वोटो को काटने के लिए भारतीय जनता पार्टी ओछे हथकंडे अपना रही है।

अधिकारियों पर दबाव, मरने को मजबूर हैं कर्मचारी जूली ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेता अधिकारियों पर दबाव बना रहे हैं जिसकी वजह से मजबूर होकर अधिकारी और कर्मचारी मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के वोट कटवाने के लिए भारतीय जनता पार्टी के नेता अधिकारियों को मरवाने से भी नहीं चूक रहे हैं।

अमरूद बनेगा सवाई माधोपुर की नई वैश्विक पहचान : डॉ. किरोड़ी लाल मीणा

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के मुख्य आतिथ्य में किसानों, वैज्ञानिकों व उद्योग जगत का ऐतिहासिक संगम

देश में पहली बार सवाई माधोपुर में अमरूद महोत्सव का भव्य शुभारंभ

कृषि मंत्री ने सवाई माधोपुर में 150 करोड़ रुपये से अधिक लागत की अमरूद प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने की घोषणा की

सवाई माधोपुर (हुक्मनामा समाचार)। सवाई माधोपुर के 263वें स्थापना दिवस के अवसर पर जिले ने इतिहास रचते हुए देश का पहला अमरूद महोत्सव आयोजित कर स्वयं को राष्ट्रीय कृषि मानचित्र पर एक नई पहचान दिलाई।

पंच गौरव अभियान के अंतर्गत जिला प्रशासन एवं कृषि-उद्यानिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अमरूद महोत्सव एवं उन्नत कृषि तकनीकी मेला-2026 का भव्य शुभारंभ ओम बिरला, माननीय लोकसभा अध्यक्ष के मुख्य आतिथ्य में दशहरा मैदान में संपन्न हुआ। यह आयोजन केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि किसानों की मेहनत, नवाचार, आत्मनिर्भरता और भविष्य की कृषि अर्थव्यवस्था को दिशा देने वाला ऐतिहासिक क्षण बन गया।

फीता काटकर प्रदर्शनी का शुभारंभ, अमरूद की विविधता ने अतिथियों को किया आकर्षित कार्यक्रम की शुरुआत में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के साथ फीता काटकर अमरूद प्रदर्शनी का औपचारिक उद्घाटन किया। इसके पश्चात मुख्य अतिथि, जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने प्रदर्शनी का सघन अवलोकन किया। अवलोकन के दौरान अतिथियों ने गंभीरा गांव के राष्ट्रीय स्तरीय सम्मान से सम्मानित किसान सहित अन्य किसानों के स्टॉल पर पहुँचकर अमरूद की विभिन्न उन्नत किस्मों—ललित, इलाहाबाद सफेद, श्वेता, सिस ललित सहित अन्य किस्मों की जानकारी ली। किसानों द्वारा अपनाई गई वैज्ञानिक तकनीकों, पैदावार और विपणन मॉडल को भी विस्तार से समझा गया।

श्यामपुर के किसान की सफलता बनी प्रेरणा प्रदर्शनी के दौरान श्यामपुर के किसान ने बताया कि वे प्रति बीघा 6 से 7 लाख रुपये से अधिक का वार्षिक उत्पादन कर रहे हैं। उन्होंने अमरूद की एक विशेष किस्म सीएन आरसी आधारित उन्नत पौध से उत्पादन कर जिले के अन्य किसानों के लिए एक प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि ने किसान की मेहनत, नवाचार और जोखिम उठाने की क्षमता की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे उदाहरण ही भारतीय कृषि का भविष्य तय करेंगे।

ब्लैक अमरूद और औषधीय गुणों ने खींचा विशेष ध्यान नर्सरी सेक्शन में प्रदर्शित 25 से 30 प्रजातियों के अमरूद पौधों का अवलोकन करते हुए माननीय अतिथियों ने ब्लैक अमरूद की एंटीऑक्सीडेंट क्षमता, आषधाय गुणा और बढ़ता अंतरराष्ट्रीय मांग की विशेष रूप से प्रशंसा की। विशेषज्ञों ने बताया कि ब्लैक अमरूद मधुमेह, हृदय रोग और इम्युनिटी बूस्टिंग के लिए अत्यंत लाभकारी है, जिससे इसका वैश्विक बाजार तेजी से बढ़ रहा है।

स्थानीय उत्पादों ने बटोरी वाहवाही प्रदर्शनी में स्थानीय उत्पादों की अलग ही चमक देखने को मिली। राम प्रसाद जी द्वारा तैयार अमरूद का हलवा, चटनी, बर्फी और अचार ने अतिथियों और आगंतुकों को खासा प्रभावित किया। इसके साथ ही सवाई माधोपुर के प्रसिद्ध पाँच प्रकार के अमरूद से बने जूस, बर्फी, जेली, कैंडी को विशेष रूप से प्रदर्शित किया गया, जिसने स्थानीय प्रसंस्करण क्षमता को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किया।

एक की मौत के बाद अलवर-जयपुर हाईवे पर बैठे लोग

पुलिस की गाड़ी ने पीछे से मारी टक्कर, जुगाड़ पलटा

अलवर (हुक्मनामा समाचार)। अलवर के अकबरपुर थाना क्षेत्र के नटनी का बारा के पास रविवार दोपहर 12 बजे एक जुगाड़ गाड़ी पलटने से हादसा हो गया। 65 साल के बुजुर्ग लक्ष्मण की मौके पर ही मौत हो गई,करीब 15 लोग घायल हो गए। जिसके बाद लोग धरने पर बैठ गए। लोगो की मांग की थी की मृतक के परिजनों के एक सदस्य को सरकारी नौकरी व 1 करोड़ रूपये मुआवजा दिया जाए। जिसके बाद एसडीएम ज्योति कांवरिया व सीओ ग्रामीण शिवानी शर्मा मौके पर पहुंची और धरने बैठे लोगो से वार्ता कर धरना समाप्त करवाया और जाम खुलवाया। एसडीएम ने आश्वासन दिया की मृतक के परिजनों को उच्च अधिकारियों से बात करके योजनाओं का पूरा लाभ दिलवाएंगे।जिसके बाद शव को पुलिस की गाड़ी से जिला अस्पताल भिजवाया।

मौके पर मौजूद महेंद्र योगी ने बताया की जुगाड़ गाड़ी में सवार करीब 15 से 20 लोग लोग नटनी का बारा व आसपास के इलाकों से भर्तृहरि धाम में आयोजित डीएनटी समाज के महासंगम में शामिल होने जा रहे थे।

गौ तस्करी के शक में चार युवक पकड़े

नागौर। नागौर के रियां बड़ी में शनिवार रात को गौ तस्करी के शक में ग्रामीणों ने चार युवकों को पकड़ लिया। मारपीट करते हुए सिर के बाल और आधी मूंछें काट दी। सूचना पर पहुंची थांवला पुलिस ने भीड़ से बचाकर युवकों को हिरासत में लिया। घटना लाडपुरा गांव की है। जानकारी के अनुसार, लाडपुरा गांव के पास छापर क्षेत्र में ग्रामीणों ने चार संदिग्ध युवकों को आवारा गायों को एक जगह इकट्ठा करते हुए देखा। इस पर ग्रामीणों को शक हुआ और उन्होंने युवकों को घेरकर पूछताछ शुरू की।

महाराष्ट्र के पूर्व कैबिनेट मंत्री राज पुरोहित का निधन

सिरोही। महाराष्ट्र सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री और प्रवासी नेता राज के पुरोहित (71) का शनिवार रात मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया। वे पिछले कुछ दिनों से बीमार थे। पुरोहित भाजपा मुंबई के अध्यक्ष और महाराष्ट्र विधानसभा के पांच बार विधायक रहे। वे सिरोही जिले के फूंगनी गांव के मूल निवासी थे। पुरोहित मुख्य रूप से मुंबादेवी से चार बार और कोलाबा से एक बार विधायक रहे। वे महाराष्ट्र सरकार में गृहनिर्माण मंत्री और अन्य महत्वपूर्ण विभागों में मंत्री रह चुके थे।

उड़ता तीर

..... प्रदीप लोढ़ा

खतरा टला।

कोई माने या ना माने लेकिन भजनलाल सरकार पर संकट था जो उन्होंने कुशलतापूर्वक मैनेज कर लिया राष्ट्रीय अध्यक्ष का मामला निपट गया है और पिछले दिनों पार्टी के चाणक्य अमित शाह भी आकर मुख्यमंत्री के कामकाज से संतुष्ट हो गए हैं उन्होंने मुख्यमंत्री से 1 घंटे तक बंद कमरे में गुफ्तगू की उन्हें राज चलाने के मंत्र भी दिए। मुख्यमंत्री निवास में बैठकर उन्होंने अन्य नेताओं से भी चर्चा की 2 साल में यह पहली बार हुआ था इसका मतलब सब इलू इलू।

फेर बदल अब तय।

राज्य मंत्रिमंडल में अब फेर बदल लगभग तय हैं क्योंकि नए राष्ट्रीय अध्यक्ष 20 जनवरी को आ जाएंगे और उसके एक-दो दिन बाद राजस्थान का लंबित फैसला हो जाएगा। पार्टी ने सारा होमवर्क करके रख रखा है मुख्यमंत्री ने भी अपनी रिपोर्ट दे रखी है कब और कैसे होगा, इसी पर मामला अटका हुआ था। अब माना जा रहा है कि सब कुछ जल्दी बाजी में हो जाएगा शायद बजट सत्र से पहले जो की 28 जनवरी से चालू होगा।

6 करोड रुपए स्वाहा।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू पिछले दिनों राजस्थान में जयपुर आई थी उनकी कुछ घंटे की यात्रा जयपुर में एक हो रहे 1008 कुंडीय महायज्ञ में आहुति को लेकर थी, राष्ट्रपति जी के आने और जाने में किसको क्या मिला यह तो पता नहीं जनता के 6 करोड रुपए यज्ञ में स्वाह हो गए। अब चर्चा है कि राष्ट्रपति जब आई है तो उनसे चार कार्यक्रम और करवा लिए जाते अथवा निजी कार्यक्रम का खर्चा निजी खाते से जाता।

घबराहट क्यों।

भाजपा के नेता और कांग्रेस के कई बार मंत्री रहे महेंद्रजीत सिंह मालवीय पिछले दिनों भाजपा को बाय-बाय करके कांग्रेस में चले गए जयपुर में उन्होंने मन की बात बताई तो बांसवाड़ा में उनके ठिकाने पर एसीबी की टीम पहुंच गई। मालवीय घबराएं नहीं तो कांग्रेस ने उनकी एंट्री का रास्ता खोल दिया। कम से कम एक दर्जन और नेता मालवीय के नक्शे कदम पर है। उनके वापस जाने से भाजपा में घबराहट क्यों हो रही है यह तो भगवान को पता, अब आगे क्या होगा यह पंचायत चुनाव में पता लगेगा।

नया मॉडल।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कई अच्छे प्रयोग विधानसभा में किए हैं पर उनके द्वारा अब किया जा रहा प्रयोग विरोध का कारण बन रहा है कारण साफ है कि अब विधायक सवाल नए तरीके से पूछेंगे, कई मामलों में नहीं पूछेंगे, उनको सारे सवालों के जवाब नहीं मिलेंगे। विधायकों के पास एक ही तो हथियार होता है सवाल पूछने वाला। वह भी अब काम का नहीं रहेगा तो विधायक बनने का किसी को क्या फायदा। 5 साल पुराने मेंटर की चर्चा नहीं होगी, इसलिए अब क्या होगा, कैसे होगा लोकतंत्र की संस्था का क्या होगा। कांग्रेसी कह रहे हैं कि यह तो संघ का विधानसभा मॉडल है।

एस आई आर रिवर्स।

चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे एस आई आर को लेकर अब जहां बीएलओ सही तरीके से काम करने लगे हैं वहीं विपक्षी कार्यकर्ता और नेता भी इस पर ध्यान दे रहे हैं जिनके नाम काटने की कोशिश हो रही है वह तो जाग ही चुके हैं ऐसे में सत्ता रूढ़ पार्टी के कार्यकर्ताओं को नाम कटवाने और जुड़वाने में समस्या आ रही है इसलिए सारी व्यवस्था संतुलित हो गई है

भीड़ ने बढ़ाई चिंता।

पिछले दिनों बाड़मेर में लगभग डेढ़ लाख लोग इस बात को लेकर जुड़ गए कि जिले की सीमाओं को गुपचुप में तोड़ा गया था। सारे नेता एक जाजम पर जमा थे, कांग्रेस के इतने बड़े आयोजन के बाद भाजपा के सामने परेशानी यह है कि 28 जनवरी को प्रधानमंत्री को रिफाइनरी के उद्घाटन पर बुलाती है तो इससे ज्यादा भीड़ जुटानी होगी।

प्रधानमंत्री आ गए और इतनी भीड़ नहीं आई तो पार्टी क्या करती, यह किसी को बताने की जरूरत नहीं है। इसमें एक पेच फस गया है रिफाइनरी चालू होनी है क्योंकि कच्चा माल आ गया है ऐसे में प्रधानमंत्री के दौरे पर संकट के बादल तो आ गए हैं पर रिफाइनरी को लेकर कुछ नहीं कहा जा सकता।

राम जलसेतु लिंक परियोजना को मिली गति

2 हजार 230 करोड़ रुपये की लागत से चम्बल नदी पर 2.3 किमी लम्बाई में बन रहा एक्वाडक्ट

जल आत्मनिर्भरता की ओर मजबूती से अग्रसर राजस्थान

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व और सतत् प्रयासों से प्रदेश की महत्वाकां राम जलसेतु लिंक परियोजना (संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल लिंक परियोजना) मिशन मोड पर आगे बढ़ रही है। जल सुरक्षा की दिशा में मील का पत्थर साबित होने वाली परियोजना के तहत चम्बल नदी पर 2.3 किलोमीटर लम्बाई में एक्वाडक्ट का निर्माण किया जा रहा है। यह जून, 2028 तक बनकर तैयार हो जाएगा। मुख्यमंत्री शर्मा के मार्गदर्शन में परियोजना से संबंधित कार्य तीव्र गति से किए जा रहे हैं। इसके प्रथम चरण के पैकेज-2 के अंतर्गत 2 हजार 330 करोड़ रुपये की लागत से एक्वाडक्ट बनाया जा रहा है। यह चम्बल एक्वाडक्ट एक छोर में कोटा जिले की दीगोद तहसील के पीपलदा समेल गांव और दूसरे छोर में बूंदी जिले की इंद्रगढ़ तहसील के गोहाटा गांव से जुड़ेगा। इसके

मई, 2025 में कार्य शुरू, जून 2028 में बनकर होगा पूरा

माध्यम से कालीसिंध पर निर्मित नवनेरा बैराज से पानी पम्प हाउस से लिफ्ट कर मेज नदी में छोड़ा जाएगा। इसके बाद मैज बैराज से पम्प हाउस व फीडर के जरिए गलवा बांध तक और वहां से बीसलपुर और ईसरदा बांध में पहुंचाया जाएगा। इस एक्वाडक्ट के बनने से आमजन को आवागमन के लिए अतिरिक्त मार्ग भी उपलब्ध होगा। 2280 मीटर लम्बे एक्वाडक्ट की आंतरिक चौड़ाई 41.25 मीटर और ऊंचाई 7.7 मीटर प्रस्तावित है। मई, 2025 में कार्य शुभारंभ के बाद से ही तेजी से कार्य किया जा रहा है।निर्माण स्थल पर कैंप एवं बैचिंग प्लांट का लगभग 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है। एक्वाडक्ट हेतु प्रस्तावित 15 टेस्ट पाइल में से 8 टेस्ट पाइल का कार्य पूर्ण हो चुका है। कुल 5060 वर्किंग पाइल प्रस्तावित हैं, जिनमें से लगभग 860 पाइल का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है। प्रतिदिन 15-20 पाइल का कार्य 12 रिग मशीनों की सहायता से किया जा रहा है। औसतन 500 क्यूबिक मीटर कंक्रीट कार्य प्रतिदिन किया जा रहा है। साइट पर लगातार शिफ्टों में कार्य जारी है।मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में ईआरसीपी को वृहद स्वरूप देते हुए राम जलसेतु लिंक परियोजना (संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल लिंक परियोजना) (लगभग 90 हजार करोड़ रूपए) तैयार की गई है। परियोजना के प्रथम चरण में राज्य के 17 जिलों की लगभग 3 करोड़ 25 लाख आबादी को पेयजल सुविधा उपलब्ध होगी।